भीम प्रज्ञा अलर्ट

दैनिक

भीम प्रज्ञा

PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026

2009 से स्थापित

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

जो व्यवस्था मेहनत से नहीं, सौदे से चलने लगे, वहां सपने नहीं टूटते–वहां भरोसा मर जाता है।

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-62 | झुंझुनू (राजस्थान) | बुधवार, 21 जनवरी, 2026 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्य: 5.00

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार

Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

आग हर कोने में, भरोसे की राख में बदलती व्यवस्था

आग लगी है हर कोने में, हर सागर में तूफ़ान उठा है। कोई कोना बचा ही नहीं–यह पंक्तियां आज के भारत की भर्ती व्यवस्था पर सटीक बैठती हैं। जिस देश में युवा अपनी जवानी, अपनी नींद, अपने सपनों की कीमत चुकाकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करता है, उसी देश में उन्हीं परीक्षाओं को ठगी, दलाली और भ्रष्टाचार का अखाड़ा बना दिया गया है। यह केवल अंकों की हेराफेरी नहीं है, यह एक पूरी पीढ़ी के भविष्य से की जा रही खुली लूट है। यहां मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है।

भर्ती परीक्षाएं किसी भी लोकतंत्र की रीढ़ होती हैं। यही वह रास्ता है जिससे मेहनती, योग्य और ईमानदार युवा व्यवस्था में प्रवेश करते हैं। लेकिन जब इसी रास्ते पर दलाल, माफिया और भ्रष्ट कर्मचारी खड़े हो जाएं, तब चयन नहीं होता–तब सौदे होते हैं। ओएमआर शीट में नंबर बढ़ाए जाते हैं, फेल को पास बनाया जाता है और पास को सिस्टम की ठोकरों में कुचल दिया जाता है। सोचकर डर लगता है कि कितने फर्जी लोग अब तक आराम से सरकारी कुर्सियों पर बैठ चुके होंगे। जिनके हाथ में कलम है, उनके पास योग्यता नहीं; जिनके पास अधिकार है, उनके पास नैतिकता नहीं। और दूसरी ओर एक ईमानदार अभ्यर्थी–जो रात-दिन मेहनत करता है–वह आज भी खुद को दोष देता है। वह सोचता है, 'शायद मुझमें ही कमी रह गई होगी।' वह भगवान को कोसता है, किस्मत को गाली देता है, जबकि सच्चाई यह है कि उसकी हार उसकी नहीं, व्यवस्था की साजिश की देन है। यह केवल भ्रष्टाचार नहीं, यह ईमानदारी, मेहनत और सपनों की हत्या है। जब कोई युवा सालों की तैयारी के बाद भी असफल हो जाता है और बाद में उसे पता चलता है कि उसकी जगह किसी ने पैसे देकर नौकरी हासिल कर ली–तो वह केवल असफल नहीं होता, वह भीतर से टूट जाता है। यही टूटन आगे चलकर अवसाद, गुस्से और व्यवस्था से घृणा में बदलती है। यही वह ज़हर है जो समाज की जड़ों में उतर रहा है।

भर्ती के नाम पर आज एक पूरा लूट का बाज़ार खड़ा है। कोचिंग माफिया, दलाल गिरोह, फर्जी सर्टिफिकेट बनाने वाले नेटवर्क और अंदर से मिलीभगत करने वाले कर्मचारी–सब मिलकर युवाओं की मजबूरी को भुनाते हैं। 'पैसा है तो पास हो जाओ ', 'सेटिंग है तो सिलेक्शन पक्का '–ये वाक्य अब कानाफूसी नहीं, खुलेआम प्रचार बन चुके हैं। यह उस व्यवस्था का सबसे बड़ा अपराध है जो संविधान की समानता की भावना को रौंद देता है। विडंबना यह है कि हर घोटाले के बाद वही घिसी-पिटी घोषणा सुनाई देती है– 'जांच के आदेश दे दिए गए हैं ', 'दोषियों पर सख्त कार्रवाई होगी।' कुछ गिरफ्तारियां होती हैं, कुछ अखबारों की सुर्खियां बनती हैं, और फिर... सब शांत। सवाल वही रह जाता है–क्या ही होगा? यही सवाल सबसे ज़्यादा जलाता है, क्योंकि अनुभव बताता है कि अक्सर कुछ नहीं होता। बड़ी मछलियां बच निकलती हैं और छोटी मछलियों को दिखावे के लिए पकड़ लिया जाता है।

यह भी सच है कि भर्ती घोटालों का सबसे बड़ा शिकार ग्रामीण, गरीब और मध्यम वर्ग का युवा है। जिसके पास दलाल को देने के लिए लाखों नहीं, जिसके पास 'सिस्टम' में पहुंच नहीं–उसके पास सिर्फ उसकी मेहनत होती है। और जब मेहनत को ही सिस्टम मार देता है, तब वह युवा या तो पलायन करता है या टूटकर चुप हो जाता है। यही चुप्पी आगे चलकर सामाजिक विस्फोट बन सकती है। अब सवाल यह नहीं कि घोटाले हो रहे हैं या नहीं–सवाल यह है कि कब तक? कब तक युवाओं को परीक्षा के नाम पर ठगा जाएगा? कब तक भर्ती संस्थाएं भ्रष्टाचार की प्रयोगशाला बनी रहेंगी? और सबसे अहम–कब तक समाज इस अन्याय को 'होता है' कहकर स्वीकार करता रहेगा? समाधान भी हैं, अगर नीयत हो। परीक्षाओं की पूरी प्रक्रिया को तकनीकी रूप से पारदर्शी बनाना होगा। ओएमआर शीट से लेकर परिणाम तक हर चरण का स्वतंत्र ऑडिट होना चाहिए। दोषी चाहे कर्मचारी हो या अधिकारी–उसे केवल निलंबन नहीं, ऐसी सजा मिले कि वह उदाहरण बने। और सबसे ज़रूरी–भर्ती घोटालों को केवल आपराधिक मामला नहीं, युवाओं के भविष्य पर हमला मानकर देखा जाए। आज ज़रूरत है चेतना की, आक्रोश की और संगठित आवाज़ की। क्योंकि अगर आज भी हम चुप रहे, तो कल यही आग हर घर तक पहुँचेगी। तब न कोई परीक्षा पवित्र बचेगी, न कोई सपना सुरक्षित। आग लगी है हर कोने में–अब यह हम पर है कि हम उसे बुझाने खड़े होते हैं या उसकी रोशनी में अगला घोटाला देखने की आदत डाल लेते हैं।

नाता प्रथा से हुई शादी मान्य, पत्नी को मिलेगी पेंशन

हाईकोर्ट ने कहा

अगर विवाह दोनों समुदाय की प्रथाओं से हुआ है

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने पारिवारिक पेंशन से जुड़े एक मामले में अहम आदेश देते हुए कहा कि प्रदेश के कुछ ग्रामीण इलाकों में नाता प्रथा का प्रचलन है। यहां नाता प्रथा से हुए विवाह को भी मान्यता दी गई है। वहीं हिंदू विवाह अधिनियम-1955 की धारा-7 भी नाता विवाह को मान्यता देती है। अगर वह विवाह दोनों समुदाय की प्रथाओं से सम्पन्न हुआ हो। इसलिए इस स्वीकारोक्ति को ध्यान में रखते हुए हम यह निष्कर्ष निकाल सकते हैं कि इस मामले में याचिकाकर्ता मृतक सरकारी कर्मचारी की पत्नी है। वह पारिवारिक पेंशन पाने की हकदार है। जस्टिस अशोक कुमार जैन की अदालत ने यह आदेश रामप्यारी सुमन की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया।

सरकार ने पेंशन देने से कर दिया था इनकार

याचिकाकर्ता के वकील तुषार पंवार ने बताया- याचिकाकर्ता (रामप्यारी सुमन) का विवाह पूरनलाल सैनी से उनकी पहली पत्नी की मृत्यु के बाद नाता प्रथा के जरिए हुआ था। पूरनलाल सैनी पटवारी पद से रिटायर हुए थे। साल 2020 में उनकी मृत्यु के बाद याचिकाकर्ता ने पारिवारिक पेंशन के लिए आवेदन किया। पेंशन विभाग ने उनका आवेदन यह कहते हुए खारिज कर दिया था कि मृतक कर्मचारी ने अपने सेवा रिकॉर्ड में कहीं भी पत्नी के रूप में याचिकाकर्ता (रामप्यारी सुमन) को रजिस्टर्ड नहीं किया है। उन्होंने केवल अपने दो बेटों को रजिस्टर्ड किया है, वे दोनों शादीशुदा हैं। याचिकाकर्ता (रामप्यारी सुमन) ने खुद माना है कि उनका विवाह नाता प्रथा से हुआ है।

पारिवारिक विवाद में पत्नी माना था

वकील ने बताया- पूरनलाल सैनी ने यह भी माना था कि उनके एक बेटी भी है। उनके बयान से यह भी पता चला था कि वह बेटी की शादी तक याचिकाकर्ता (रामप्यारी सुमन) को भरण पोषण भी दे रहे थे। याचिकाकर्ता (रामप्यारी सुमन) ने फैमिली कोर्ट, कोटा का 14 फरवरी 2017 का आदेश भी कोर्ट के सामने रखा।

याचिकाकर्ता पारिवारिक पेंशन पाने की हकदार

कोर्ट ने राजस्थान सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1996 के नियम 66 का उल्लेख करते हुए कहा कि यदि कोई महिला विधिक रूप से मृतक कर्मचारी की पत्नी है और उसका तलाक नहीं हुआ है, तो केवल नामांकन न होने के आधार पर उसे पारिवारिक पेंशन से वंचित नहीं किया जा सकता है। वह पति की मृत्यु के बाद पारिवारिक पेंशन पाने की हकदार होगी।

फसल अवशेष प्रबंधन योजना के तहत कृषि यंत्रों की वेरिफिकेशन जारी

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । जिला में फसल अवशेष प्रबंधन योजना के अंतर्गत किसानों को अनुदान पर उपलब्ध कराए गए कृषि यंत्रों की दूसरी वेरिफिकेशन प्रक्रिया कृषि विभाग द्वारा जारी है। इस योजना के तहत कुल 817 कृषि यंत्र किसानों को वितरित किए गए हैं, जिनमें 576 सुपर सीडर, 123 रैक, 90 बेलर सहित अन्य मशीनें शामिल हैं। कृषि विभाग के अनुसार 20 जनवरी को सुपर सीडर की वेरिफिकेशन की गई है। 21 जनवरी को बेलिंग यूनिट की वेरिफिकेशन की जाएगी, जबकि शेष बचे कृषि यंत्रों की अंतिम वेरिफिकेशन 22 जनवरी को निर्धारित की गई है। इस दौरान कृषि विभाग द्वारा यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि सभी लाभार्थी किसानों को प्रदत्त उपकरण सही स्थिति में स्थापित हों तथा किसान इनका समय पर और प्रभावी उपयोग कर सकें, जिससे फसल अवशेष प्रबंधन को बढ़ावा मिल सकें। यह वेरिफिकेशन कार्य फतेहाबाद, रतिया व धारसूल कलां इन तीन केंद्रों पर किया जा रहा है। वेरिफिकेशन के दौरान सहायक कृषि अभियंता इंजीनियर पवन कुमार, खंड कृषि अधिकारी डॉ. महेंद्र, कृषि विकास अधिकारी डॉ. अंकित ढिल्लों, डॉ. अमित कुमार तथा कृषि पर्यवेक्षक मुनीश, अनिल, राज कुमार सहित अन्य विभागीय अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहें।

अंबेडकर सर्किल क्षतिग्रस्त करने पर समिति का आक्रोश, एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.सूरजगढ़।

अंबेडकर सर्किल को क्षतिग्रस्त किए जाने के मामले में डॉ. अंबेडकर सेवा समिति सूरजगढ़ के पदाधिकारियों ने नाराजगी जताते हुए उपखंड अधिकारी सूरजगढ़ को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में सर्किल को नुकसान पहुंचाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने और तत्काल मरम्मत करवाने की मांग की गई है।समिति पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि नगर पालिका स्वयं नियमों का उल्लंघन करते हुए अंबेडकर सर्किल पर बड़े-बड़े होर्डिंग लगवा रही है। इससे न केवल सर्किल का सौंदर्यकरण प्रभावित हो रहा है, बल्कि यातायात बाधित होने से दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती है। समिति ने नगर पालिका के नकारात्मक रवैये और उदासीनता पर भी गहरा रोष जताया। अंबेडकर समिति के सचिव राधेश्याम चिरानियां और संयुक्त सचिव ओमप्रकाश सेवदा के नेत्र तुम्हें ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग रखी है।

इस अवसर पर समिति संरक्षक मोतीलाल डिग्रवाल, पूर्व कोषाध्यक्ष गोपीराम सोकरिया, कोर कमेटी सदस्य गुलझारी लाल चावला, रतनलाल चेतीवाल, फूलचंद सुनिया, बाबूलाल बडगूजर, पूर्व सचिव रामस्वरूप सिंह, शमशान सुधार समिति अध्यक्ष छोटेलाल गजराज डीसी सहित अनेक लोग मौजूद रहे। सभी ने एक स्वर में अंबेडकर सर्किल की गरिमा बनाए रखने और दोषियों पर कठोर कार्रवाई की मांग की।

सूरजगढ़ में शिक्षा संकट: अगवाना खुर्द में व्याख्याता के ट्रांसफर पर बवाल, आरएलपी की एंट्री से गरमाया मामला

भीम प्रज्ञा न्यूज़.सूरजगढ़।

ब्लॉक के अगवाना खुर्द गांव स्थित राजकीय माध्यमिक विद्यालय में भूगोल व्याख्याता अनिल कुमार के ट्रांसफर का मामला अब गंभीर रूप लेता जा रहा है। पिछले 10 दिनों से छात्र स्कूल नहीं जा रहे, पढ़ाई पूरी तरह ठप है और ग्रामीणों व विद्यार्थियों का विरोध-प्रदर्शन लगातार जारी है। अब इस मुद्दे में राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) की राजनीतिक एंट्री होने से मामला और गरमा गया है।

आरएलपी ने दिया प्रशासन को 24 घंटे का अल्टीमेटम

आरएलपी नेता दिनेश सहारण मंगलवार को अगवाना खुर्द पहुंचे और अभिभावकों, ग्रामीणों व स्कूल स्टाफ से मुलाकात कर पूरे प्रकरण की जानकारी ली। सहारण ने कहा कि पार्टी सुप्रीमो हनुमान बेनीवाल के निर्देश पर प्रशासन को 24 घंटे का अल्टीमेटम दिया जा रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि अगले 24 घंटे में व्याख्याता अनिल कुमार का ट्रांसफर रद्द नहीं हुआ तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने भाजपा और भजनलाल सरकार के खिलाफ नारेबाजी भी की।

शिक्षा पर संकट, समाधान की दरकार

11 जनवरी से चल रहे धरने के चलते छात्रों का पूरा शिक्षण सत्र प्रभावित हो रहा है। ग्रामीणों ने प्रशासन से शीघ्र समाधान निकालने की मांग की है ताकि बच्चे नियमित पढ़ाई पर लौट सकें। अब सभी की निगाहें प्रशासन के अगले कदम पर टिकी हैं–क्या 24 घंटे के भीतर कोई निर्णय होगा या सूरजगढ़ में बड़ा आंदोलन देखने को मिलेगा।

मनरेगा बचाओ संग्राम: खेतड़ी क्षेत्र में ग्रामीणों का विरोध प्रदर्शन, ग्रामीण आजीविका पर हमले का आरोप

भीम प्रज्ञा न्यूज़.खेतड़ी।

केंद्र सरकार द्वारा मनरेगा को समाप्त करने के फैसले के विरोध में खेतड़ी विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत रामकुमारपुरा व संजय नगर में ग्रामीणों ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन का नेतृत्व खेतड़ी प्रधान मनीषा गुर्जर ने किया। इस दौरान प्रधान मनीषा गुर्जर ने कहा कि मनरेगा को खत्म करने का फैसला ग्रामीणों की आजीविका पर सीधा और गंभीर हमला है। मनरेगा योजना से गरीब व मजदूर वर्ग को रोजगार मिलता है, जिससे उनके परिवारों का जीवनयापन चलता है। योजना को कमजोर या समाप्त करना ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाने वाला कदम है। प्रदर्शन में सरपंच केवलराम गुर्जर, सरपंच विजय सैनी, भगीरथ गुर्जर, नरेगा कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे। ग्रामीणों ने केंद्र सरकार से मनरेगा को मजबूत करने, समय पर रोजगार व भुगतान सुनिश्चित करने की मांग की।प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि मनरेगा को लेकर लिए गए फैसले वापस नहीं लिए गए तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

एसएमसी/एसडीएमसी के दो दिवसीय प्रशिक्षण का द्वितीय दिवस संपन्न

विद्यालय विकास योजनाओं एवं समग्र शिक्षा पर हुआ विस्तृत मंथन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लाखेरी बूंदी।

विष्णु प्रसाद बैरवा । राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय दौलतपुरा में आयोजित विद्यालय प्रबंधन समिति (SMC) एवं विद्यालय विकास एवं प्रबंधन समिति (SDMC) के दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का द्वितीय दिवस दिनांक 20 जनवरी 2026 को सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन व्यवस्थापक पप्पू लाल मीणा के मार्गदर्शन एवं प्रभारी दौलत राम मीणा के नेतृत्व में किया गया। प्रशिक्षण के द्वितीय दिवस का शुभारंभ प्रातः 10.00 बजे प्रार्थना एवं स्वागत गीत के साथ हुआ। प्रथम सत्र में प्रथम दिवस के प्रशिक्षण की पुनरावृत्ति करते हुए प्रतिभागियों से संवाद किया गया। द्वितीय सत्र में केआरपी प्रीतम शर्मा एवं केआरपी अमर सिंह बैरवा द्वारा विद्यालय विकास योजना (SDP) के निर्माण पर विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की गई। उन्होंने विद्यालय विकास योजना निर्माण में SMC/SDMC की भूमिका, योजना बनाते समय ध्यान रखने योग्य बिंदु, विद्यालय के भौतिक विकास हेतु मानक एवं मापदंड, शैक्षिक उपलब्धियाँ, मिड-डे-मील योजना तथा जनसहयोग जैसे विषयों पर विस्तार से प्रकाश डाला। वक्ताओं ने कहा कि सहभागिता आधारित योजना से ही विद्यालयों का सतत विकास संभव है। मध्यांतर उपरांत आयोजित तृतीय सत्र में समग्र शिक्षा विषय पर चर्चा की गई। इस दौरान राष्ट्रीय शिक्षा नीति, समग्र शिक्षा के अंतर्गत प्राप्त अनुदान, वित्तीय नियम एवं लेखा प्रक्रिया, तथा समग्र शिक्षा के अंतर्गत संचालित विभिन्न कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी गई। वित्तीय पारदर्शिता एवं नियमों के अनुपालन पर विशेष जोर दिया गया। अंतिम सत्र में प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन पर चर्चा की गई, जिसमें प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण को अत्यंत उपयोगी, व्यवहारिक एवं विद्यालय हित में लाभकारी बताया। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया गया। दो दिवसीय यह प्रशिक्षण कार्यक्रम विद्यालयों की कार्यप्रणाली को सुदृढ़ करने एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हुआ।

ग्रो बैग गार्डनिंग करने से मिलते हैं ये फायदे

ये ग्रो बैग्स बिग साइज के बैग्स होते हैं, जिनमें आप अपनी मिट्टी के भीतर बीज बो सकती हैं और उन्हें बढ़ते हुए देख कसते हैं। ये ग्रो बैग्स ब्रेथेबल ईको-फ्रेंडली फैब्रिक से बनाए तैयार किए जाते हैं। हो सकता है कि आपने अब तक ग्रो बैग्स का इस्तेमाल ना किया हो।

ग्रो बैग क्या होते हैं

ग्रो बैग वास्तव में एक बिग साइज बैग होते हैं। ये एक ईको-फ्रेंडली ऑप्शन हैं। वे ऐसे किसी भी पौधे को उगाने में सक्षम हैं जिसके लिए गहरी जड़ों की आवश्यकता नहीं होती है। ग्रो बैग में सलाद ग्रीन्स, हर्ब्स, टमाटर, इंडोर प्लांट्स आदि में उगाने के लिए उपयुक्त माने गए हैं। मूल रूप से, जो कुछ भी आप एक कंटेनर में उगाने के बारे में सोच सकते हैं, उसे ग्रो बैग में भी उगाया जा सकता है।

होते हैं लाइटवेट

ग्रो बैग वजन में काफी लाइटवेट होते हैं। इनका वजन हल्का होने के कारण उन्हें बालकनी और छत पर गार्डनिंग के लिए एक अच्छा ऑप्शन माना जाता है। इन्हें आप आसानी से कैरी कर सकती हैं। इन्हें मूव करने के लिए आपको बहुत अधिक ताकत की जरूरत नहीं होती है।

ब्रेथेबल फैब्रिक से मिलता है फायदा

ग्रो बैग का फैब्रिक ब्रेथेबल होता है, जिसका अर्थ यह है कि प्लांट में हवा आसानी से पहुंच जाती है। वहीं, प्लास्टि के पॉट में से हवा पास नहीं हो पाती है। ग्रो बैग का ब्रेथेबल होने का मतलब है कि वे अच्छी तरह से ड्रेन भी होते हैं। इस तरह आप अपने पौधे को पानी देती हैं, तो आपका ग्रो बैग पानी को पौधे से आसानी से गुजरने देता है। इससे मिट्टी हेल्दी होती है और प्लांट की लाइफ अधिक बेहतर होती है।

आजकल हर कोई प्लांट्स लगाने को बेहद प्राथमिकता देने लगा है। ऐसा माना जाता है कि ऐसा करके हम खुद को और पर्यावरण दोनों को लाभ पहुंचा रहे हैं। हालांकि, पर्यावरण का ख्याल रखने के लिए यह भी जरूरी है कि आप उनके लिए सही पॉट का चयन करें। अक्सर लोग प्लास्टिक के पॉट में प्लांट्स लगाते हैं। लेकिन अगर आप एक एनवायरनमेंट फ्रेंडली ऑप्शन की तलाश में हैं तो ऐसे में ग्रो बैग्स का विकल्प चुनें।

बायोडिग्रेडेबल होने से मिलता है फायदा

कुछ ग्रो बैग पूरी तरह से बायोडिग्रेडेबल होते हैं। जिसका अर्थ है कि आप उन्हें सीधे जमीन में लगा सकती हैं और कुछ समय के बाद यह नेचुरल मिट्टी में आसानी से घुल जाएंगे। इस तरह आपको पौधे को पॉट से ग्राउंड गार्डन में शिफ्ट करने में कोई समस्या नहीं होती है। आप ग्रो बैग में बीज बोएं। जब तक यह बीज पौधे से एक बड़ा प्लांट बनने की प्रक्रिया में होगा, तो यह ग्रो बैग मिट्टी में घुल चुका होगा।

इन बातों का रखें ध्यान

- आप यह ध्यान रखें कि आप अपने ग्रो बैग में बढ़ने के लिए सही पौधे का चयन करें। ग्रो बैग भी अलग साइज के मिलते हैं। ऐसे में सही ग्रो बैग को चुनना जरूरी है। तुलसी, रोजमेरी व थाइम आदि को बढ़ने के लिए केवल एक छोटी सी जगह की आवश्यकता होती है। इन जड़ी बूटियों के लिए छोटे ग्रो बैग का उपयोग किया जा सकता है।
- सामान्य से अधिक पानी की आवश्यकता वाले पौधों के लिए सेल्फ वाटरिंग ग्रो बैग का उपयोग करें। ग्रो बैग में सेल्फ वॉटरिंग सिस्टम भी होता है। जहां बेस पर एक पॉकेट में पानी होता है जिसका उपयोग आप समय पर पानी भरने के लिए कर सकते हैं। खीरे, स्क्वैश और लेट्यूस कुछ ऐसे पौधे हैं जो सेल्फ वॉटरिंग ग्रो बैग्स के लिए सबसे उपयुक्त हैं।
- अपने ग्रो बैग के लिए सबसे अच्छी मिट्टी का उपयोग करें। पिसी हुई मिट्टी का उपयोग न करें क्योंकि यह आपके ग्रो बैग को भारी बना सकती है और इसकी एयर फ़्लो को बर्बाद कर सकती है। बेहतर परिणामों के लिए आप अपने ग्रो बैग को कंपोस्ट और पीट मॉस मिश्रण से भरें।

सूट के ये लेटेस्ट डिजाइंस शादी के बाद के लिए हैं परफेक्ट

आजकल आपको सूट को सिलवाने के लिए कई तरह के नए-नए पैटर्न और डिजाइन मार्केट तथा ऑनलाइन पर आपको नजर आ जाएंगे। आप और हम सभी को स्टाइलिश दिखना बेहद पसंद होता है और इसके लिए हम लेटेस्ट फैशन ट्रेंड्स को भी फॉलो करना पसंद करते हैं। बात अगर शादी के बाद की करें तो आप और हम सूट पहनना काफी पसंद करते हैं ताकि हम आरामदायक महसूस कर सकें।

वहीं आरामदायक महसूस करने और स्टाइलिश दिखने के चक्कर में हम कभी-कभी फैशन ट्रेंड्स को नजरअंदाज कर देते हैं। इसलिए आज हम आपके लिए लेकर आए हैं सूट के कुछ ऐसे डिजाइंस, जिन्हें आप अपनी शादी के बाद पहन सकती हैं और अपने लुक को मॉडर्न और उप-टू-डेट बना सकती हैं।

हैवी नेक डिजाइन के साथ नेट दुपट्टा

आजकल इस तरह हैवी नेट के दुपट्टे को काफी पसंद किया जा रहा है। अगर आप कम से कम वर्क वाले हैवी सूट को पहनना पसंद करती हैं तो इस तरीके के हैवी नेट के दुपट्टे को ऐसे सूट के साथ स्टाइल कर सकती हैं। इस तरह का डिजाइन छोटे कद के बॉडी टाइप के लिए बेस्ट होता है। साथ ही ज्वेलरी के लिए स्टड्स इयररिंग्स को चुनें। हील्स के साथ लुक को कंप्लीट करें।

नेट वाला हैवी सूट डिजाइन

ऐसा डिजाइन देखने में बेहद क्लासी नजर आता है। बता दें कि आप इस तरीके का सूट किसी भी फंक्शन के लिए भी वियर कर सकती हैं। साथ ही बता दें कि अगर आपका कद लंबा है तो इस तरीके का सूट आप पर खूब खिलेगा। ऐसे डिजाइन के साथ आप ड्राप इयररिंग्स को स्टाइल करें। साथ ही प्लंप हील्स के साथ लुक को कंप्लीट करें। आप चाहे तो हैवी रिंग के साथ लुक को स्टाइलिश बना सकती हैं।

जॉर्जेट मटेरियल में सूट

अगर आप प्लस साइज हैं तो इस तरीके के जॉर्जेट मटेरियल वाले सूट आपके लिए बेस्ट रहेंगे। बता दें कि अगर आप प्लस साइज हैं तो आप इसमें बारीक वर्क वाले पैटर्न डिजाइन को चुन सकती हैं। इस तरह के सूट के साथ आप एंकल लेंथ पैंट्स को पहन सकती हैं। साथ ही बालों के लिए ओपन हेयर स्टाइल को चुनें। ज्वेलरी के लिए मिनिमल डिजाइन में डायमंड वर्क में कुछ चुनें।

बच्चों के साथ बिताएं क्वालिटी टाइम

वर्तमान समय में, बच्चों को सबसे ज्यादा जिस चीज की जरूरत होती है वह है माता-पिता का समय। आमतौर पर पैरेंट्स अपने बच्चों को हर सुख-सुविधा देना चाहते हैं और इसलिए वे कड़ी मेहनत करते हैं। लेकिन इस बीच वे यह भूल जाते हैं कि लग्जरी आइटम से भी ज्यादा बच्चे अपने माता-पिता का साथ, उनका प्यार व समय चाहते हैं। इसलिए आप उनके लिए मेहनत करें लेकिन फिर भी उनके साथ क्वालिटी टाइम बिताना ना भूलें। यह कहीं ना कहीं आपके भीतर के तनाव को भी कम करने में मददगार होगा।

अगर आप भी बच्चों के साथ क्रिएटिव तरीके से एक अच्छा समय बिताना चाहते हैं और आपको समझ नहीं आ रहा है कि वास्तव में क्या किया जाए तो परेशान ना हों। आज इस लेख में हम आपको बच्चों के साथ क्वालिटी टाइम बिताने के कुछ क्रिएटिव आईडियाज के बारे में बता रहे हैं, जो यकीनन आपको भी काफी पसंद आएंगे-

बनाएं मार्निंग रूटीन

कहते हैं कि दिन की शुरूआत जैसी होती है, पूरा दिन भी वैसा ही गुजरता है। इसलिए अगर संभव हो तो आप बच्चे के साथ एक मार्निंग रूटीन सेट कर सकती हैं। इसमें आप कंबल तय करने से लेकर उनके साथ पार्क में वॉक कर सकते हैं या फिर बच्चों के साथ योगाभ्यास करना भी एक अच्छा आईडिया है। इससे आप ना सिर्फ उनके साथ अच्छा समय बिता पाते हैं, बल्कि इससे उनका शारीरिक व मानसिक विकास होने में भी मदद मिलती है।

प्लॉन करें गेम्स

सुनने में आपको शायद यह बेहद ही सिंपल नजर आए, लेकिन वास्तव में इस तरीके से आप ना सिर्फ बच्चों के साथ एक फन टाइम बिता सकते हैं, बल्कि इससे आपके लर्निंग स्किल्स और रचनात्मकता को भी बढ़ा सकती हैं। आप उनके साथ कुछ ऐसे गेम्स खेलें, जिसमें उनकी फिजिकल और मेंटल एक्सरसाइज हो।

बेडटाइम स्टोरीज को ना भूलें

अगर आप पूरा दिन काफी बिजी रहते हैं तो ऐसे में आप रात के समय एक रूटीन बना सकते हैं, जिसमें आप बेडटाइम पर उन्हें कहानी सुनाएं। बेडटाइम आमतौर पर आपके बच्चे की कल्पना को उत्तेजित करने का समय होता हैं। साथ ही साथ कहानियां सुनने से उन्हें नींद भी अच्छी आती है जो उनके शारीरिक और मानसिक विकास के लिए जरूरी है। अगर आपका बच्चा उम्र में थोड़ा बड़ा है तो आप कुछ ऐसा भी कर सकते हैं कि एक दिन कहानी आप सुनाएं और दूसरे दिन उन्हें सुनाने के लिए कहें। बच्चे कहीं पर पढ़ी या सुनी हुई स्टोरीज के साथ-साथ खुद भी एक कहानी बनाकर आपको सुना सकते हैं।

एक्टिविटीज में आएगा बेहद मजा

बच्चों को हमेशा कुछ ना कुछ नया करना काफी अच्छा लगता है। ऐसे में आप घर में रखी पुरानी चीजों की मदद से उनके साथ कोई एक्टिविटी कर सकती हैं। आप घर के लिए कोई डेकोर आइटम तैयार करें या फिर उन्हें पेंट करने दें। इसी तरह जब आप उनके साथ अलग-अलग एक्टिविटीज करेंगी तो इससे वह खुद भी कई चीजें बनाने के लिए प्रेरित होंगे और उनके दिमाग में कई नए आईडियाज आएंगे।

इन उपायों से मीठी नींद में सोएगा आपका बच्चा

बड़ों की तरह ही बच्चों में सोने की भी अलग-अलग आदतें होती हैं। कई बच्चे थोड़ी-सी भी फिजिकल एक्टिविटी करते ही बार-बार सो जाते हैं, तो कुछ बच्चों को बहुत ही मुश्किल से नींद आती है। बच्चों की हेल्थ के लिए उनकी 10-11 घंटे की नींद बहुत जरूरी है। ऐसे में अगर आपका बच्चा सोता नहीं है, तो आपको उसे सुलाने के लिए कुछ टिप्स अपनाने चाहिए-

इन बातों का भी रखें ध्यान

- बच्चे को रोज अलग सुलाने की कोशिश करें। अगर आप शुरू से ही ऐसा करेंगी, तो इससे उसमें अलग सोने की आदत पड़ेगी।
- सुलाने से पहले बच्चे की मालिश करना भी काफी फायदेमंद रहता है, इससे उसको अच्छी नींद आएगी।
- सुलाने से पहले बच्चे की सफाई पर भी ध्यान दें। खास कर नाक, कान और मुंह की ठीक से सफाई करके उन्हें सुलाएं।
- बच्चे को सुलाते वक्त कमरे में अंधेरा जरूर कर दें, क्योंकि अंधेरे में नींद से जुड़ा हार्मोन सक्रिय होता है। यही हार्मोन नींद लाने में सहायक होता है।
- कमरे की खिड़की के परदे जरूर फैला दें और संभव हो तो दरवाजे को भी बंद कर दें, ताकि बच्चा बाधारहित अच्छी नींद ले सके।
- धीमा म्यूजिक और वार्म लाइट भी बच्चे को अच्छी नींद देने में मददगार होते हैं। इसकी व्यवस्था आप उसके कमरे में कर सकती हैं।
- जब आपका बच्चा सो रहा हो, तो घर में तेज आवाज वाले उपकरण जैसे मिक्सी, वैक्यूम क्लीनर आदि का इस्तेमाल न करें। इससे बच्चे डर कर जाग जाते हैं।
- आप चाहें तो बच्चे के साथ सो सकती हैं, जब तक कि वह सो नहीं जाता। लेकिन उससे लिपट कर ना सोएं, वरना उसको इसकी आदत हो जाती है और आपके -हटते ही उसकी नींद टूट जाती है। बेहतर यही होगा कि आप अपने बच्चे को इस तरह की आदत ना डालें।
- जब बच्चा हल्की नींद में हो, तभी उसे गोद से या झूले से निकाल कर बिस्तर पर सुला दें।

लोन लेकर खरीदने जा रही हैं स्कूटी तो..

अगर आप अपने लिए या अपने परिवार के किसी सदस्य के लिए स्कूटी खरीदने की सोच रही हैं और इसके लिए आप पैसों का इंतजाम करने के लिए लोन लेना चाहती हैं तो इससे...

आज के समय में वाहन का हमारी जिंदगी में अहम किरदार होता है। आपको अगर कहीं भी घूमने का मन होता है या कोई जरूरी काम होता है तो आप अपने वाहन से आराम से जा सकती हैं। वाहन की बात करें तो महिलाओं के बीच स्कूटी का क्रेज आजकल बहुत अधिक हो गया है। अगर आप स्कूटी खरीदने का सोच रही हैं और आप इसके लिए लोन लेना चाहती हैं तो हम आपको बताएंगे कि आपको किन बातों का ध्यान रखना चाहिए क्योंकि कई बार लोग जल्दबाजी में लोन लेकर स्कूटी खरीद लेते हैं लेकिन फिर बाद में उन्हें परेशानियों का सामना भी करना पड़ता है।

चेक करें सबसे अच्छा विकल्प

अगर आप स्कूटी खरीदने के लिए लोन लेने पर विचार कर रही हैं तो उससे पहले आपको अपने स्तर पर अलग-अलग बैंकों से मिलने वाले लोन और उनके ब्याज के बारे में पता कर लेना चाहिए। बेहतर शर्तों के साथ ऋण प्रदान करने वाले बैंक को सेलेक्ट करके ही आपको लोन लेना चाहिए। आपको बता दें कि त्यौहार के समय आपको स्कूटी खरीदने पर स्पेशल ऑफर भी दिया जाता है इसलिए आपको कोशिश करनी चाहिए कि आप किसी खास मौके पर स्पेशल ऑफर मिलने पर स्कूटी खरीदें और फिर लोन के लिए अप्लाई करें।

लोन कैपेसिटी चेक करें

लोन लेने से पहले सबसे जरूरी बात यह होती है कि आप अपनी रीपेमेंट कैपेसिटी जरूर चेक करें। अगर आप स्कूटी के लिए बड़े अमाउंट में और लंबे समय तक ईएमआई देंगी तो ऐसे में आपकी फाइनेंशियल प्लानिंग और बजट पर भी इसका असर पड़ेगा इसलिए आपको लोन अमाउंट री-पेमेंट की क्षमता के अनुसार ही तय करना चाहिए।

क्रेडिट स्कोर चेक करें

आपको बता दें कि एक अच्छा क्रेडिट स्कोर आपको बेहतर लोन लेने में मदद करता है। क्रेडिट स्कोर अगर बेहतर होता है तो वह बैंक को इस बात की संभावना भी जताता है कि दिए गए लोन की ईएमआई समय पर दी जाएगी। इसके साथ-साथ आपको यह भी चेक करना चाहिए कि लोन अमाउंट आपके स्कूटी को लेने के लिए पर्याप्त होना चाहिए और डाउन पेमेंट, लोन की अवधि, प्रीपेमेंट विकल्प के बारे में भी आपको पूरी जानकारी रखनी चाहिए। कई बार लोग जल्दबाजी में लोन को ले लेते हैं और फिर बाद में उन्हें लोन चुकाने में परेशानी आती है। ऐसी परेशानी आपके साथ न हो इसलिए आपको इन सबी बात को सुनिश्चित कर लेना चाहिए।

रखें इन बातों का ध्यान

- स्कूटी खरीदे से पहले मार्केट में चल रहे ऑफर के बारे में जरूर जान लें। बहुत बार कोई कंपनी 2 कुछ दिनों के लिए स्पेशल ऑफर लेकर आती है जिसके अंदर स्कूटी खरीदने पर आपको फायदा हो सकता है।
- वहीं अगर आप एमआरपी से भी कम में स्कूटी लेना चाहते हैं तो आप सेकेंड हैंड स्कूटी खरीद सकते हैं। बहुत बार लोग काफी अच्छी कंडीशन में ही अपनी स्कूटी बेच रहे होते हैं जो एक अच्छा ऑफर है।
- इसके साथ-साथ त्यौहारों के मौसम में भी कपंनी की तरफ से कई सेल के ऑफर दिए जाते हैं जिसके तहत स्कूटी खरीदने पर आपको ज्यादा खर्च करने की जरूत नहीं पड़ेगी।

रेवाड़ी पुलिस को मिली बड़ी कामयाबी, अंतर्राज्य बैट्री चोरी गिरोह का मुख्य सरगना गिरफ्तार

भीम प्रज्ञा न्यूज़.रेवाड़ी।

आलोक भांडोरिया । 'होगा हर अपराधी का हिसाब' अभियान अंतर्गत रेवाड़ी पुलिस लगातार अपराधियों पर शिकंजा कस रही है। पुलिस द्वारा चलाई जा रही अपराध एवं अपराधियों पर अंकुश मुहिम अंतर्गत सीआईए धारूहेड़ा प्रभारी निरीक्षक योगेश हुड्डा की टीम ने राजस्थान व हरियाणा के 150 से अधिक मामलों में वांछित तथा जिला रेवाड़ी व झज्जर पुलिस के 5-5 हजार रूपये के इनामी अंतर्राज्य बैट्री चोरी गिरोह के मुख्य सरगना को गिरफ्तार करने में विशेष सफलता हासिल की है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान जिला नूंह के गांव गुवारका निवासी आजाद के रूप में हुई। डीएसपी बावल सुरेंद्र श्योराण ने बताया की वर्ष 2024 में एक साल के दौरान जिला रेवाड़ी के लगभग सभी पुलिस स्टेशन के एरिया में एक के बाद एक बैट्री चोरी की 63 वारदातों को अंजाम देने वाले बैट्री चोर गिरोह के मुख्य सरगना जिला नूंह के गांव गुवारका निवासी आजाद को सीआईए धारूहेड़ा ने तावडू के खोरी गांव से गिरफ्तार कर लिया है। जिला पुलिस के साथ-साथ झज्जर पुलिस ने भी उस पर 5 हजार रूपये का इनाम रखा हुआ था। उन्होंने बताया की दिनांक 6 मई 2024 को गांव चांदूवास निवासी ब्रह्मप्रकाश ने पुलिस को बताया था कि उसकी शाहजहांपुर रोड मोहनपुर में टाइल की फैक्ट्री है। चोर उसकी फैक्ट्री से रात को ट्रैक्टरों की चार, रोलर, जनरेटर और ऑफिस के इन्वर्टर की बेट्रियों के साथ-साथ लेबर के तीन मोबाइल फोन भी चोरी कर ले गए। चोरी की वारदात सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई थी। जिस पर पुलिस ने थाना बावल में चोरी का मामला दर्ज करके मामले में संलिप्त दो आरोपी फरीद उर्फ दिन्नू व मुनफेद सहित दो कबाड़ी मुबीन व राजेश को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की गई सभी बैट्री बरामद कर ली थी। जो इस मामले में सीआईए धारूहेड़ा की टीम ने चोरी के मुख्य सरगना जिला नूंह के गांव गुवारका निवासी आजाद को भी गिरफ्तार किया है। आजाद पर जिला पुलिस ने 5 हजार रुपये इनाम घोषित किया हुआ था। तथा झज्जर पुलिस ने भी उस पर 5 हजार रुपये इनाम रखा हुआ था। अपराधिक रिकॉर्ड-डीएसपी बावल ने बताया कि अपराधिक रिकॉर्ड के मुताबिक आरोपी के खिलाफ राजस्थान सहित हरियाणा के जिला रेवाड़ी, झज्जर, मेवात, गुरूग्राम, महेंद्रगढ़ व अन्य जिलों में भी बैट्री चोरी व लूट-डकैती आदि संगीन धाराओं में 150 से अधिक मामले दर्ज होने मिले हैं जिनमें से आरोपी कई मामलों में अदालत से पीओ भी घोषित है। पुलिस ने आरोपी को पेश अदालत करके पूछताछ के लिए एक दिन के पुलिस रिमांड पर लिया है।

संगठन पर्व के अवसर पर चिड़ावा में भाजपा ने मनाया जश्न, मिठाइयां बांटी व आतिशबाजी की

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चिड़ावा।

भाजपा के 'संगठन पर्व' के पावन अवसर पर विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी भारतीय जनता पार्टी के नितिन नबीन के राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्वाचित होने की खुशी में मंगलवार शाम चिड़ावा के विवेकानंद चौक पर भव्य जश्न मनाया गया। यह कार्यक्रम चिड़ावा भाजपा नगर मंडल के नेतृत्व में आयोजित हुआ, जहां भाजपाइयों ने मिठाइयां बांटकर एवं आतिशबाजी कर हर्ष व्यक्त किया।कार्यक्रम में भाजपा विधानसभा प्रत्याशी राजेश दहिया, भाजपा नगर अध्यक्ष नरेंद्र गिरधर, पूर्व नगर अध्यक्ष बाबूलाल वर्मा, पंचायत समिति प्रधान रोहतास धांगड़, महामंत्री मुकेश खंडेलवाल, पार्षद मदन डारा, पार्षद गंगाधर सैनी, पार्षद अंकित भगेरिया सहित अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहें। इस अवसर पर पूर्व पार्षद सुरेश, राकेश सर्राफ, रामचंद्र शर्मा, ख्याति केडिया, रिंकू शर्मा, राजेश वर्मा, मोहित तामड़ायत, आशु स्वामी, सुनील भड़िया, युवा मोर्चा अध्यक्ष अशोक शर्मा, पीयूष बाछूका, सज्जन गोदारा, रजनीकांत मिश्र, राजेंद्र गिरधर, विनय सोनी, मंगेश भगत, मयंक मंड्रेलिया, ईशू, महेंद्र कुमावत, रामनिवास वर्मा, विक्की ठाकुर, नवीन सैनी, बलवंत सैनी, शुभम वर्मा, चंदन, विशाल सेन, अंकित, चेतन, गौरव, विमल शर्मा, शशिकांत तिवारी, हरि सिंह, मोहनलाल, संदीप अरदावटीया, पवन टेलर, विनोद लखा, पुरुषोत्तम, सुभाष पांडे, अमित श्योराण, समोद नूनिया, सुनील चिप्पी, मांगे लाल, अनिल, अभिषेक, विक्की, राजकुमार गजराज, आशीष वर्मा, अशोक पुजारी, चंद्रमौली पचरंगिया, प्रवीन पलाडिया सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भाजपा नेताओं ने नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष को बधाई देते हुए संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान 'भाजपा जिंदाबाद' और 'संगठन पर्व अमर रहे' जैसे नारों से वातावरण उत्साहपूर्ण बना रहा। समस्त भाजपा नगर मंडल परिवार चिड़ावा ने एकजुट होकर इस ऐतिहासिक क्षण का उत्सव मनाया।

नीमराना अभिभाषक संघ का धरना प्रदर्शन जारी, अपर जिला एवं सेशन कोर्ट खोलने की मांग

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद । नीमराना अभिभाषक संघ की ओर से आज 20 जनवरी 2026 को नीमराना में अपर जिला एवं शासन कोर्ट एवं वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश एवं अतिरिक्त मुख्य न्यायाधीश मजिस्ट्रेट कोर्ट खुलवाने के लिए छठवें दिन हड़ताल एवं धरना प्रदर्शन किया गया।अधिवक्ताओं ने सरकार से नीमराना में मुकदमों की बढ़ती संख्याओं को देखते हुए अपर जिला एवं सेशन कोर्ट वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश एवं अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट कोर्ट खोलने की मांग की। नीमराना अभिभाषक संघ के अध्यक्ष उदय सिंह यादव ने बताया कि नीमराना उपखंड क्षेत्र के गांव का जुडिशल क्षेत्र हाल में बाय रोड लगाया गया है, जो नीमराना से 50 से 60 किलोमीटर दूर स्थित होने के कारण पक्षकारों को आर्थिक तंगी भी झेलनी पड़ रही है और ट्रांसपोर्टर के अभाव में सही समय पर न्यायालय में उपस्थित होने में भी समस्याएं हो रही हैं। धरना प्रदर्शन में वरिष्ठ अधिवक्ता संजय शर्मा, वीर सिंह यादव, पीतांबर सिंह, नोपेंद्र शर्मा, सुनील यादव, मुकेश यादव, रविंद्र सांवरिया, जितेंद्र सांवरिया, विजय चौहान, प्राण सूख सैनी, राजेंद्र सिंह, रामनिवास सांवरिया, नवीन बाला, सुरेश कुमार, अरविंद यादव, बाहर संघ उपाध्यक्ष राकेश कुमार यादव आदि अधिवक्ता गण उपस्थित रहे। अधिवक्ताओं ने सरकार से मांग की है कि बजट सत्र में उनकी मांगों को प्राथमिकता से रखते हुए इसी बजट सत्र में जनहित का मामला समझते हुए उनकी मांगों को पूर्ण करें।

पूर्व कैबिनेट मंत्री गोविंद राम मेघवाल का जन्मदिन सादगी व उत्साह के साथ मनाया गया

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । राजस्थान सरकार के पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता गोविंद राम मेघवाल का जन्मदिन बीकानेर में उनके फार्म हाउस पर सादगीपूर्ण लेकिन उत्साहपूर्ण माहौल में मनाया गया। आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि, समाजसेवी एवं प्रबुद्ध नागरिक उपस्थित रहे और सभी ने उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए स्वस्थ व दीर्घायु जीवन की कामना की।कार्यक्रम के दौरान पूर्व मंत्री गोविंद राम मेघवाल ने केक काटा। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने उन्हें बधाई दी तथा उनके सामाजिक व राजनीतिक जीवन के योगदान को याद किया।जन्मदिन समारोह में पूगल पंचायत समिति प्रधान गौरव चौहान, बीकानेर पंचायत समिति के पूर्व प्रधान लालचंद आसोपा, डूंगरगढ़ प्रधान प्रतिनिधि केशुराम गोदारा, डॉ. कालूराम परिहार, सेवानिवृत्त एक्सईएन मदनलाल लेखाला, ठेकेदार शंकरलाल कडेला सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहें। राजस्थान अंबेडकर शिक्षक संघ के पूर्व सभाध्यक्ष मोडाराम करेला ने भी पूर्व मंत्री का अभिनंदन किया।सभा को संबोधित करते हुए पूर्व प्रधान सरिता ने कहा कि गोविंद राम मेघवाल ने अपना जीवन समाज सेवा और जनहित के कार्यों को समर्पित किया है। उपस्थित कार्यकर्ताओं ने भी उन्हें एक अनुभवी और जनसेवा के प्रति समर्पित नेता बताया।

खाजूवाला, छतरगढ़, श्रीडूंगरगढ़ सहित विभिन्न क्षेत्रों से कांग्रेस कार्यकर्ता और समाज के लोग कार्यक्रम में पहुंचे। खाजूवाला विधानसभा क्षेत्र से साईराम मेघवाल, मुनसफ बलोच, बरकत बलोच, यूनुस बलोच और गुलाम नबी बलोच सहित कई कार्यकर्ताओं ने बधाई दी। वहीं श्रीडूंगरगढ़ क्षेत्र से हेतराम जाखड़ के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं का दल भी उपस्थित रहा। इसके अलावा गीगासर, बराला, कावनी, अंबासर, बेलसर, सम्मेवाला सहित विभिन्न गांवों से सरपंच और जनप्रतिनिधि कार्यक्रम में शामिल हुए। सभी ने पूर्व मंत्री के नेतृत्व और सामाजिक योगदान की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

मोबाइल फोन पर लिंक भेजकर 3.86 लाख रुपए की साइबर ठगी करने के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

भीम प्रज्ञा न्यूज़.रेवाड़ी।

आलोक भांडोरिया । साइबर थाना पुलिस ने मोबाइल फोन पर लिंक भेजकर एक युवती से लगभग 3.86 लाख की साइबर ठगी करने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान यूपी के जिला जालौन के गांव मंडोरी हाल आबाद मोहल्ला दलालनपुरा जालौन निवासी विकास सिहोटे व यूपी के जिला झांसी के मोहल्ला वीरूनगर राजगढ़ निवासी दीपक के रूप में हुई है। जांचकर्ता ने बताया की गांव शहबाजपुर खालसा निवासी एक युवती ने अपनी शिकायत में बताया था कि वह गुरुग्राम की एक कंपनी में कार्यरत है। उसके मोबाइल फोन पर गत 2 जनवरी को एक लिंक आया था। उसने लिंक पर क्लिक किया तो उसके बैंक खाते से 3 लाख 86 हजार 78/- रुपये कट गए। यह राशि 2 से 3 जनवरी के बीच विभिन्न ट्रांजेक्शन के जरिए दूसरे खातों में ट्रांसफर हुई थी। जिस पर पुलिस ने साइबर थाना रेवाड़ी में ठगी का मामला दर्ज करके जांच शुरू की थी। जो जांच के बाद पुलिस ने मंगलवार को मामले में संलिप्त दो आरोपी यूपी के जिला जालौन के गांव मंडोरी हाल आबाद मोहल्ला दलालनपुरा जालौन निवासी विकास सिहोटे व यूपी के जिला झांसी के मोहल्ला वीरूनगर राजगढ़ निवासी दीपक को गिरफ्तार कर लिया है। विकास सिहोटे खाते में ठगी की रकम के 30 हजार रुपये ट्रांसफर हुए थे, जबकि दीपक ने उसका खाता साइबर ठगों को मुहैया कराने में मध्यस्थ की भूमिका अदा की थी। पुलिस ने दोनों आरोपियों को पेश अदालत करके न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। पुलिस द्वारा इस मामले में अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी भी जल्द की जाएगी।

PCC कार्यालय में दलित अधिकारों और संगठन मजबूती पर मंथन, विधायक पितराम सिंह काला ने की शिरकत

भीम प्रज्ञा न्यूज़.जयपुर/पिलानी।

राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी (PCC) मुख्यालय में अनुसूचित जाति विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला में संगठनात्मक मजबूती और सामाजिक न्याय के मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। विभाग की अध्यक्ष ममता भूपेश की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यशाला में पिलानी विधायक पितराम सिंह काला सहित संभाग प्रभारियों और जिलाध्यक्षों ने भाग लिया। कार्यशाला के दौरान समानता और सामाजिक न्याय के संदेश को दोहराते हुए संगठन विस्तार और आगामी गतिविधियों की रूपरेखा तैयार की गई। विधायक पितराम सिंह काला ने दलित वर्गों पर हो रहे अत्याचार के प्रकरणों पर फीडबैक दिया और संगठन को धरातल पर सुदृढ़ करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि स्ट्रक्चर (विशेष सूचना अनुरोध) प्रक्रिया के माध्यम से दलित और वंचित समुदायों के संवैधानिक अधिकारों के हनन के विरुद्ध जागरूकता लाना अनिवार्य है। बैठक में केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ 'मनरेगा बचाओ संग्राम' में प्रभावी भूमिका निभाने का आह्वान किया गया। वक्ताओं ने कहा कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ मनरेगा को बचाने के लिए कांग्रेस कार्यकर्ता हर स्तर पर संघर्ष करेंगे। इस महत्वपूर्ण कार्यशाला में राष्ट्रीय समन्वयक महेंद्र बौद्ध और राकेश शेरसिया भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान सभी पदाधिकारियों ने एक सुर में दलितों और वंचितों के हक की लड़ाई को तेज करने और कांग्रेस संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने का संकल्प लिया।

फेसबुक पर छोड़ा सुसाइड नोट, लीलोज पुलिया के पास ट्रेन के आगे कूदकर युवक ने दी जान

ताऊ समेत अन्य पर आत्महत्या के लिए उकसाने का मुकदमा दर्ज।

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बसवा

मनोज खंडेलवाल । दौसा जिले के बसवा थाना क्षेत्र में युवक की आत्महत्या का मामला सामने आने के बाद पुलिस ने पीड़ित पक्ष की रिपोर्ट पर मृतक युवक के ताऊ समेत अन्य लोगों के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का प्रकरण दर्ज किया है। मामला 15 जनवरी 2026 का है, जब वीरगांव निवासी ओमप्रकाश उर्फ अनुज ने मानसिक प्रताड़ना से परेशान होकर बसवा थाना इलाके में लीलोज पुलिया के पास रेलवे ट्रैक पर ट्रेन के आगे कूदकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। परिजनों के बताये अनुसार आत्महत्या से कुछ समय पहले मृतक युवक ने अपनी स्वयं की फेसबुक आईडी से चार पन्नों का सुसाइड नोट सोशल मीडिया पर पोस्ट किया था। सुसाइड नोट में उसने अपने ताऊ लक्ष्मण सहित कुछ अन्य लोगों द्वारा लंबे समय से लगातार मानसिक रूप से प्रताड़ित किए जाने का उल्लेख किया है। घटना को लेकर मृतक के पिता मनीराम पुत्र स्वर्गीय भगवानसहाय निवासी वीरगांव, थाना मंडावर, जिला दौसा ने 16 जनवरी 2026 को पुलिस थाना बसवा पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई। रिपोर्ट में बताया गया कि उसके पुत्र को लगातार मानसिक रूप से परेशान किया जा रहा था, जिससे मजबूर होकर उसने यह कदम उठाया। पुलिस ने पीड़ित पिता की रिपोर्ट के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए बसवा थानाधिकारी राजेश शर्मा ने प्रकरण की जांच स्वयं अपने हाथ में ली है। पुलिस का कहना है कि सुसाइड नोट, सोशल मीडिया पोस्ट, परिजनों के बयान और अन्य साक्ष्यों के आधार पर मामले की गहन जांच की जा रही है। इधर, परिजनों ने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है, जबकि पुलिस ने भरोसा दिलाया है कि जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर कानून के अनुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी।

गरीबा श्री मूर्ति वितरण समारोह संपन्न हुआ

भीम प्रज्ञा न्यूज.जयपुर

सुरेन्द्र सिंह हरसोलिया । रोजडे प्रोडक्शन हाउस के तत्वावधान में महान संत श्री आचार्य गरीब साहेब की मूर्ति (स्टैचू) का निर्माण अपने पूर्वजों की याद में किया गया था, जिसका वितरण समारोह मंगलवार को श्री कृष्णा रेस्टोरेंट, गांधी पथ वैशाली नगर जयपुर में संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि जयपुर उपाधिक्षक सोनचंद लाड़ना ने पुष्पांजलि अर्पित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। कार्यक्रम में पधारे हुए सभी अतिथियों को महान संत आचार्य गरीब साहेब की मूर्ति भेंट की गई। संयोजक बृजमोहन रोजडे (बी.एम.) ने कहा कि आचार्य गरीब साहेब के स्मृति दिवस के उपलक्ष में भामाशाहों ने सहयोग दिया। पूरणदास बलाई समाज सेवी (आचार्य गरीब साहेब के पौत्र), भंवरलाल बैसरवाडिया महाराज गौशाला बगरू, अनिल कुमार गोठवाल (पूर्व पुलिस उपायुक्त) का विशेष योगदान रहा। मंच संचालन शिव शंकर छत्रपति राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिल भारतीय सूत्रकार महासभा ने किया। इस अवसर पर समाज के विशिष्ट व्यक्तियों को सम्मानित किया गया। स्वर्गीय नानुराम गुणगुणावत सिरसी जयपुर (सुपुत्र गणेश नारायण गुणगुणावत), स्वर्गीय रामचन्द्र लड़ना श्याम नगर जयपुर (सुपुत्र गुलाब लाड़ना), स्वर्गीय छोटेलाल आसरावत सिरसी जयपुर (सुपुत्र जगदीश आसरावत), स्वर्गीय रामदेव मण्डानिय पांच्यावाला वाला जयपुर (सुपुत्र कानाराम मण्डानिया), स्वर्गीय मोहनलाल पाटोदिया अजमेर (सुपुत्र डी.एल. वर्मा), स्वर्गीय गोपीराम तादड़ा अजराजपुरा बगरू (सुपुत्र कानाराम बलाई), स्वर्गीय हनुमान सहाय छत्रपति चित्रकूट जयपुर (सुपुत्र शिव शंकर छत्रपति), स्वर्गीय रामदेव रोजडे (विचार दास) इंदौर मध्यप्रदेश (सुपुत्र सुरेश कुमार रोजडे) ने मूर्ति का निर्माण अपने पूर्वजों की याद में किया।

खेतड़ी में तीन दिवसीय विवेक चिंतन उत्सव का समापन

विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले 468 छात्रों को किया गया सम्मानित

भीम प्रज्ञा न्यूज

खेतड़ी । खेतड़ी कस्बे के रामकृष्ण मिशन अजीत विवेक संग्रहालय परिसर में मंगलवार को तीन दिवसीय विवेक चिंतन उत्सव का समापन हुआ। इस समारोह की मुख्य अतिथि अशोक सिंह शेखावत और विशिष्ट अतिथि तहसीलदार सुनील कुमार थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मिशन सचिव स्वामी आत्मनिष्ठानंद महाराज ने की।

शहीद जगदीश प्रसाद चौधरी का 32वां शहादत पर्व, देशभक्ति की भावना से मनाया गया

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद । नीमराना उपखंड के ग्राम फौलादपुर में मंगलवार, 20 जनवरी 2026 को शहीद स्मृति स्थल पर अमर शहीद जगदीश प्रसाद चौधरी का 32वां शहादत पर्व श्रद्धा, सम्मान और गरिमामय वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर राष्ट्रपति द्वारा सेना मेडल से सम्मानित शहीद जगदीश प्रसाद चौधरी को देशभक्ति के भाव के साथ नमन करते हुए अतिथियों, जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों ने भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में मुंडावर के पूर्व विधायक मनजीत धर्मपाल चौधरी, भाजपा नेत्री अंजली यादव, सुमित गिरी (माजरी धाम), मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी कमलेश यादव, विंग कमांडर ऋषि देव यादव, सुनीता महेश गुप्ता, पूर्व जिला अध्यक्ष भाजपा बलवान यादव, पूर्व जिला अध्यक्ष भाजपा उमेद भाया, के.डी. यादव समाजसेवी, गिर्राज यादव समाजसेवी, वीरमति यादव सरपंच शाहजहांपुर, मनोज चौधरी सरपंच पलावा, नरेंद्र धनवाल सरपंच हुलमान, अजीत यादव सरपंच जालावास, सतवीर यादव सरपंच सकतपुरा, अजरका सरपंच प्रतिनिधि अजय चौधरी, अतिरिक्त ब्लॉक शिक्षा अधिकारी पुष्पा यादव, जाट बहरोड़ भाजपा मंडल अध्यक्ष मनीष यादव, पूर्व सरपंच जाट बहरोड़ रमेश तक्षक सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

शहीद परिवार की ओर से वीरांगना सितारी देवी, शहीद पुत्र भूपेंद्र चौधरी, भाई मंदरूप चौधरी, कप्तान भरत चौधरी, हवासिंह चौधरी, पूर्व उपसरपंच राजेंद्र चौधरी, रामकिशन पंच, सूबेदार रोहताश, करण सिंह, रूपचंद, थानाराम, रूपेश, चंदर सिंह, सुबेसिंह, उपेंद्र चौधरी एवं संदीप धाकड़ ने सभी आगंतुकों का स्वागत कर स्मृति स्वरूप प्रस्तुति पत्र भेंट किए। इस अवसर पर वक्ताओं ने अमर शहीद जगदीश प्रसाद चौधरी के अदम्य साहस, राष्ट्रभक्ति और सर्वोच्च बलिदान को याद करते हुए कहा कि उनका जीवन और बलिदान आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणों एवं युवाओं ने भाग लिया और शहीद स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पित किए।

8 माह के संघर्ष के बाद मिला न्याय, बॉम्बे कॉटेज कंपनी ने दी 7 लाख की आर्थिक सहायता

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद । नीमराना उपखंड के ग्राम शाहजहांपुर से बॉम्बे कॉटेज घिलोठ कंपनी में हाउसकीपिंग कर्मचारी श्याम वाल्मीकि की सड़क दुर्घटना में मौत के बाद परिजनों को 8 माह तक न्याय के लिए संघर्ष करना पड़ा। मंगलवार को कंपनी के मुख्य द्वार पर धरना-प्रदर्शन के बाद कंपनी प्रबंधन ने मृतक के परिजनों को 7 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने पर सहमति जताई। श्याम वाल्मीकि 28 अप्रैल 2025 को ड्यूटी पर जाते समय सड़क हादसे का शिकार हो गए थे। इलाज के दौरान 12 दिसंबर 2025 को जयपुर स्थित निम्स अस्पताल में उनकी मौत हो गई। परिजनों ने विधायक ललित यादव, भीम आर्मी प्रदेश उपाध्यक्ष राजस्थान सुरेंद्र मेहरा और वाल्मीकि समाज के प्रतिनिधियों के साथ मिलकर कंपनी से आर्थिक सहायता की मांग की। धरना-प्रदर्शन में सरपंच विद्यासागर यादव, जिला पार्षद वेदप्रकाश खबरी, एमपीएस ऋषिराज यादव, शैतान सिंह मीणा, अनिल वाल्मीकि, शुभम कौशिक, लखन वाल्मीकि, नेमी सैन, प्रदीप और सैकड़ों लोग शामिल हुए। जिला पार्षद वेदप्रकाश खबरी ने कहा कि यह मामला केवल एक परिवार का नहीं, बल्कि मजदूरों के अधिकार और सम्मान से जुड़ा है। समय रहते न्याय मिलना जरूरी है। कंपनी प्रबंधन ने एचआर अधिकारी प्रदीप ठाकरान और प्लांट हेड धीरेंद्र शर्मा के माध्यम से मृतक परिवार के लिए आर्थिक सहायता की मांग पर सहमति जताई। धरने के बाद कंपनी द्वारा सहायता पर सहमति जताए जाने से परिजनों को कुछ राहत मिली है।

पंचायत समिति मंडावा सभागार में क्षमता संवर्धन करने को लेकर ई सेवा वितरण पर एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । पंचायत समिति सभागार मंडावा में आज ई सेवा वितरण पर एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया। शिविर में डिजिटल माध्यम से नागरिकों को सरल तेज और पारदर्शी सेवाएं उपलब्ध कराने हेतु ग्राम पंचायत के जनप्रतिनिधियों प्रशासक एवं ग्राम विकास अधिकारियों का क्षमता संवर्धन करने हेतु पंचायत समिति मंडावा में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम बीडीओ लक्ष्मीनारायण मीणा की उपस्थिति में आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य प्रशिक्षक सहायक विकास अधिकारी राकेश

जानू ने ई मित्र व सीएससी के माध्यम से प्रदान की जाने वाली विभिन्न सेवाओं की जानकारी प्रदान की। इस दौरान ग्राम पंचायत स्तर पर ई सेवाओं की समझ एवं नागरिकों को समय पर सेवाएं देने के लिए ग्राम पंचायत की भूमिका बताई गई। शिविर में ऑनलाइन आवेदन कर शिविर में डिजिटल प्रमाण पत्र प्राप्त करने तथा सेवाओं की ट्रैकिंग किस प्रकार से की जा सकती है इसका प्रशिक्षण दिया । उन्होंने बताया कि ई सेवा के माध्यम से समय और खर्च दोनों की बचत होती है, भ्रष्टाचार में कमी रहती है तथा संपूर्ण कार्यवाही पारदर्शिता और जवाब देही के साथ संपन्न होती है । प्रशिक्षण में विकास अधिकारी लक्ष्मी नारायण मीणा सहायक विकास, अधिकारी गोपाल सिंह एवं राजेश सैनी सहित ग्राम पंचायत के प्रशासक एवं ग्राम विकास अधिकारियों ने भाग लिया।

ग्राम पंचायत भोजासर में रात्रि चौपाल आयोजित

अतिरिक्त जिला कलेक्टर अजय आर्य ने सुनी ग्रामीणों की जन समस्याएं

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडावा।

जिले की मंडावा पंचायत समिति की भोजासर ग्राम पंचायत में मंगलवार को अतिरिक्त जिला कलेक्टर अजय आर्य ग्रामीणों की जन समस्याओ से रूबरू होकर रात्रि चौपाल में ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान किया। रात्रि चौपाल में कुल 5 प्रकरणों पर चर्चा की गई। चौपाल में कुल 5 परिवाद प्राप्त हुए जिनका संबंधित विभाग को निस्तारित करने के लिए निर्देश प्रदान किए गए, जिन में प्रमुखता से रास्ता निर्माण, कीचड़ एवं पानी लीकेज की समस्याएं प्रमुखता रही। अधिकांश प्रकरणों का परिवादियों व संबंधित अधिकारियों को मौके पर बुलाकर निस्तारण के निर्देश दिए । शेष प्रकरणों को संपर्क पोर्टल पर दर्ज कर सुनवाई कर निस्तारण कर परिवादी को सूचना देने के भी निर्देश दिए। अतिरिक्त जिला कलेक्टर ने कहा कि सरकार की मंशा है कि गांव की चौपाल पर ही वहां के लोगों की समस्याओं का समाधान हो ऐसी व्यवस्था की गई है, ताकि लोगों को समस्याओं के समाधान के लिए जिला मुख्यालय तक नहीं आना पड़े। इस अवसर पर चौपाल में उपखंड अधिकारी मुनेश कुमारी, तहसीलदार डॉक्टर सुरेंद्र भास्कर, उप निरीक्षक मुलायम सिंह, विकास अधिकारी लक्ष्मीनारायण मीणा, सरपंच ओमप्रकाश मिल सहित कुल 18 विभागों के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहें।

श्रमिक नेता लाहोरा की 26वीं पुण्य तिथि पर सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में अव्वल रही प्रतिभाओं का किया सम्मान

लाहोरा गरीबों तथा वंचितों के कल्याण के प्रभावी आवाज थेः मोगा

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंड़ावा।

पवन कुमार शर्मा । समाजसेवी संस्थान श्री गांधी जनकल्याण समिति मंडावा की ओर से मंगलवार को राजस्थान स्कूल में श्रमिक नेता स्व0 किशनलाल लाहोरा की पुण्य स्मृति में प्रतिभा सम्मान समारोह हुआ । ज्ञात रहे गत सोमवार को राजस्थान पब्लिक स्कूल में हुई सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में करीब दो सौ प्रतिभागियों ने भाग लिया था आज मंगलवार को बिसाऊ चौराहे स्थित राजस्थान पब्लिक स्कूल में आयोजित श्रमिक नेता स्वर्गीय किशनलाल लाहोरा की 26 वीं पुण्य तिथि पर आयोजित पुष्पांजलि कार्यक्रम के दौरान सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता परीक्षा में अव्वल रहे टॉप टेन विद्यार्थियों को अतिथियों ने माला पहना कर व नगद राशि व पाठ्य सामग्री प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मंचासीन रहें वक्ताओं ने श्रमिक नेता के जीवन पर्यन्त किए कार्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि स्व0 किशनलाल लाहोरा एक अनुभवी राजनेता और गरीबों तथा वंचितों के कल्याण के प्रभावी आवाज थे। उन्होंने अपने सार्वजनिक जीवन में कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाई। इस अवसर पर हरलाल मोगा ने कहा कि श्रमिक नेता लाहोरा ने अपना पूरा जीवन समाजोत्थान और जनता की

भलाई के लिए समर्पित कर दिया, जिसके लिए उन्हें सदैव याद रखा जाएगा तथा वे एक निष्ठावान तथा सच्चे जन सेवक थे। आरम्भ में अतिथियों ने स्व0 लाहोरा के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया । प्रधानाचार्य अशोक मोगा, सुभाषचन्द्र मोगा, सूर्यप्रकाश लाहोरा, महावीर सिंह व मोहर सिंह सहित अन्य आगन्तुक मेहमानों का माला पहनाकर स्वागत किया तथा अन्त में कार्यक्रम संयोजक कैलाश लाहोरा ने सभी का आभार जताया। इस अवसर पर स्कूली बच्चे, स्टाफ सदस्य तथा अनेक गण मान्य लोग उपस्थित रहें, मंच का संचालन शिक्षक शंकरसिंह पाटोदा ने किया।

इनकी रही उपस्थितिः

समारोह में सीबीईओ पवन कुमार, शिक्षाविद्ध हरलाल सिंह मोगा, हेतमसर प्रधानाचार्य राजेश रणवां, भाजपा नेता संदीप शर्मा, भाजपा मण्डल अध्यक्ष मोहनलाल सैनी, प्रायोजक कैलाश लाहोरा, पातुसर प्रधानाचार्य जीवणराम मीणा तथा हनुमान प्रसाद खटनावलिया, एचड़ी काला आदि मंचासीन अतिथि थे।

इन प्रतिभाओं का हुआ सम्मान

समाजसेवी संस्थान श्री गांधी जनकल्याण समिति मंडावा ने विद्यार्थी अर्पित कुलहरी, साक्षी सुनिया, प्रिंस मुण्ड, अफसरा, रामलाल, टीना जांगिड़, दक्ष बलवीर, प्रियंवल तथा प्रियांशी सैनी आदि विजेता प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया।

जिला परिषद, झुंझुनूं के निर्वाचन क्षेत्र संख्या 19 से नांगल ग्राम पंचायत को बहाल करने के लिए आपत्ति दर्ज कराई

भीम प्रज्ञा न्यूज़.उदयपुरवाटी।

सुमेर मीणा । जिला परिषद झुंझुनूं के पुनर्गठन/पुनर्सीमांकन में नांगल ग्राम पंचायत को गुढ़ागौड़जी पंचायत समिति के क्षेत्राधिकार में आने वाली ग्राम पंचायतों के साथ जोड़ने पर स्थानीय जन समुदाय के नागरिकों ने जिला कलेक्टर झुंझुनूं के नाम उपखंड अधिकारी को आपत्ति दर्ज कराई है। ज्ञापन के माध्यम से बताया गया है कि जिला कलेक्टर कार्यालय झुंझुनूं ने दिनांक 29 दिसंबर 2025 को जिला परिषद झुंझुनूं के निर्वाचन क्षेत्रों का पुनर्गठन/पुनर्सीमांकन का प्रारूप प्रकाशित किया गया था। जिसमें जिला परिषद के पुनर्गठित निर्वाचन क्षेत्र संख्या 14 में उदयपुरवाटी पंचायत समिति सर्किल की ग्राम पंचायतों क्रमशः नांगल, कोट, बागोरा, छापोली, सोकडाला, मंडावरा, जहाज, मणकसास, खोह व पचलंगी को शामिल किया गया था। झुंझुनूं जिला कलेक्टर कार्यालय ने जन साधारण से आपत्ति सुनने के पश्चात 16 जनवरी 2026 को जिला परिषद के निर्वाचन क्षेत्रों/वार्डों का अंतिम प्रारूप प्रकाशित किया है, जिसमें नांगल ग्राम पंचायत को जिला परिषद झुंझुनूं के पुनर्गठित निर्वाचन क्षेत्र संख्या 19 में शामिल कर दिया गया है, जब कि नांगल ग्राम पंचायत को निर्वाचन क्षेत्र संख्या 14 से 19 में शामिल करने को लेकर स्थानीय जन

समुदाय की ओर से कोई आपत्ति दर्ज नहीं कराई गई थी। इसके बावजूद गुढ़ागौड़जी पंचायत समिति सर्किल में आने वाले जिला परिषद के निर्वाचन क्षेत्र संख्या 19 में नांगल ग्राम पंचायत को जोड़ा गया है। जिला परिषद के निर्वाचन क्षेत्र संख्या 19 में आने वाली सभी ग्राम पंचायतें गुढ़ागौड़जी पंचायत समिति सर्किल की हैं, उक्त निर्वाचन क्षेत्र की ये ग्राम पंचायतें कहीं पर भी नांगल ग्राम पंचायत की सीमा को स्पर्श नहीं करती हैं। जब कि उदयपुरवाटी पंचायत समिति मुख्यालय से नांगल ग्राम पंचायत लगभग 500 मीटर की दूरी पर स्थित है। बगैर आपत्ति दर्ज कराए नांगल ग्राम पंचायत को जिला परिषद के निर्वाचन क्षेत्र संख्या 19 में शामिल किया गया है। स्थानीय जन समुदाय की जन भावनाओं को मध्य नजर रखते हुए नांगल ग्राम पंचायत को जिला परिषद झुंझुनूं के पुनर्गठित निर्वाचन क्षेत्र संख्या 14 में शामिल किया जाए। ज्ञापन सौंपने वालों में एडवोकेट ताराचंद सैनी नांगल, जयसिंह शेखावत, कैलाश चंद्र सैनी चक नांगल, हजारीलाल मीणा, लालचंद इसरोद, जीएसएस कोट अध्यक्ष बनवारीलाल सैनी, योगेंद्र सिंह सैनी नांगल, महेंद्र वर्मा, दिनेश सैनी, जितेंद्र सैनी, पंकज सैनी, झाबरमल सैनी, वैभव सैनी सहित कई लोग मौजूद रहे।

रेवाड़ी आईटीआई में प्रधानमंत्री राष्ट्रीय अप्रेंटिसशिप एवं रोजगार मेला 22 को

भीम प्रज्ञा न्यूज़.रेवाड़ी।

आलोक भांडोरिया । राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान रेवाड़ी में गुरुवार, 22 जनवरी को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय अप्रेंटिसशिप व रोजगार मेला का आयोजन किया जाएगा, जिसमें बावल, धारूहेड़ा, रेवाड़ी व मानेसर औद्योगिक क्षेत्रों से 40 औद्योगिक कंपनियां भाग लेंगी। राजकीय आईटीआई रेवाड़ी में आयोजित होने वाले पीएम नेशनल अप्रेंटिसशिप एवं रोजगार मेला में डीसी अभिषेक मीणा बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करेंगे।

संतरा देवी आनंद कुमार मेमोरियल ट्रस्ट का शेखावाटी स्तरीय लोककला अवार्ड समारोह 27फरवरी को

शेखावाटी स्तरीय ढप नृत्य प्रतियोगिता का धांसू लक्ष्मनगढ आनंद फागण महोत्सव होगा आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज

लक्ष्मणगढ़। सैनी भवन के सामने रेलवे स्टेशन मार्ग पर स्थित बागड़ी हाउस में 27 फरवरी को संतरा देवी आनंद कुमार बागड़ी मेमोरियल ट्रस्ट लक्ष्मनगढ का शेखावाटी स्तरीय लोककला अवार्ड समारोह आयोजित किया जाएगा। ट्रस्ट चैयरमेन महेश बागड़ी सैनी ने बताया कि ट्रस्ट की ओर से आगामी 27 फरवरी को रात्रि 8 बजे से आयोजित होने वाले धांसू फागणिया धमाल व ढप नृत्य की कार्यक्रम के दौरान शेखावाटी अंचल के जाने-माने बांसुरी वादक, धमाल ढप नृत्य, गिन्दड़ नृत्य आदि के क्षेत्र में उत्कृष्ट, सराहनीय व उल्लेखनीय योगदान देने वाले शेखावाटी अंचल के 4 लोक कलाकारों को वर्ष 2026 के संतरा देवी आनंद कुमार बागड़ी स्मृति शेखावाटी स्तरीय लोक कला अवार्ड से नवाजा जाएगा। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर शेखावाटी स्तरीय ढप नृत्य की प्रतियोगिता लक्ष्मनगढ आनंद फागण महोत्सव आयोजित होगा। महोत्सव में शेखावाटी स्तरीय ढप नृत्य प्रतियोगिता आयोजित होगी। प्रतियोगिता में शेखावाटी अंचल की सुप्रसिद्ध ढप मंडल की टीमों को आमंत्रित किया जाएगा। प्रतियोगिता में शामिल होने वाली टीमों को नकद पुरस्कार,स्मृति चिन्ह व प्रशस्ति पत्र प्रदान कर पुरस्कृत किया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में टीमों को आमंत्रित करने, अवार्ड के लिए चयन , निर्णायक, अतिथि व व्यवस्था आदि के लिए समिति का गठन किया जाएगा।

विद्यार्थियों को स्वेटर किए वितरित, शुद्ध मनोभाव से मदद करना ही मानवीय सदाचार है- सीबीईओ

भीम प्रज्ञा न्यूज़.अजीतगढ़।

मंगलवार को महात्मा गॉधी राजकीय विद्यालय आसपुरा में मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी अजीतगढ मोहन लाल डूडी के मुख्यातिथि एवं पीईईओ भागीरथ मल यादव की अध्यक्षता में विद्यालय की भामाशाह अध्यापक पूनम यादव द्वारा स्वेटर वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। सीबीईओ ने कहा कि शुद्ध मनोभाव से आवश्यकता को महसूस कर मदद करना ही सदाचार है। संस्था प्रधान धर्मा जाखड ने कहा कि प्रेरणा दायी कार्य सूकून देने वाला होता है। बतौर विशिष्ट अतिथि इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी के जिला सदस्य दिनेश गोविन्द शर्मा ने कहा कि कर्त्तव्य निष्ठ कर्मचारी का दायित्वबोध सकारात्मक सोच के साथ इस प्रकार के सहयोग से ही झलकता है। अध्यापक पूनम यादव का भामाशाह के रूप में किया गया कार्य औरो को भी प्रेरित करेगा। अतिथियों ने विद्यालय के सभी विद्यार्थियों को स्वेटर वितरित किए। इस अवसर पर विधालय स्टाफ सहित गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

ऑटो रिक्शा में सवारी का मोबाइल फोन चोरी करने का आरोपी गिरफ्तार

भीम प्रज्ञा न्यूज़.रेवाड़ी।

आलोक भांडोरिया । चौकी जगन गेट पुलिस ने गत 19 जनवरी को सरकुलर रोड पर अम्बेडकर चौक के पास ऑटो रिक्शा में एक सवारी का मोबाइल फोन चोरी करने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान दिल्ली के नजफगढ़ के बाबा हरिदास नगर गीतांजलि निवासी अरुण कुमार के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी किया गया मोबाइल फोन बरामद कर लिया है। जांचकर्ता ने बताया की गत 19 जनवरी को गांव मूंदी निवासी होशियार सिंह ने अपनी शिकायत में बताया था कि वह निजी कार्य से रेवाड़ी आया था। वह ऑटो रिक्शा में बैठकर धारूहेड़ा चुंगी की ओर जा रहा था। उसके साथ ऑटो में एक व्यक्ति बैठा हुआ था, जो रोडवेज वर्कशॉप के पास रिक्शा से उतर गया। वह कोट और काला चश्मा पहने हुआ था। उसने अंबेडकर चौक के पास देखा तो उसकी जेब से मोबाइल फोन गायब मिला। जिस पर पुलिस ने थाना शहर रेवाड़ी में चोरी का मामला दर्ज करके मामले में त्वरित कार्यवाही करते हुए मामले में संलिप्त एक आरोपी दिल्ली के नजफगढ़ के बाबा हरिदास नगर गीतांजलि निवासी अरुण कुमार को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी किया गया मोबाइल फोन बरामद कर लिया है। पुलिस ने आरोपी को पेश अदालत करके न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

हरियाणा बागवानी नर्सरी एक्ट नर्सरियों में गुणवत्ता मानकों को करेगा सुनिश्चितः डीसी

प्रदेश सरकार लागू कर रही है निरंतर दूरदर्शी और किसान हितैषी नीतियां

डीसी अभिषेक मीणा ने दी योजना बारे जानकारी

भीम प्रज्ञा न्यूज़.रेवाड़ी।

आलोक भांडोरिया । हरियाणा सरकार किसानों की आय बढ़ाने, बागवानी को प्रोत्साहित करने और कृषि को लाभकारी बनाने के लिए निरंतर दूरदर्शी और किसान हितैषी नीतियां लागू कर रही है। प्रदेश सरकार द्वारा हरियाणा बागवानी नर्सरी एक्ट-2025 को लागू किया गया है, जिसका उद्देश्य फलों, फूलों, सब्जियों, औषधीय पौधों एवं अन्य बागवानी फसलों के उच्च गुणवत्ता वाले पौधे किसानों और उपभोक्ताओं को उपलब्ध कराना है। डीसी अभिषेक मीणा ने जानकारी देते हुए बताया कि हरियाणा बागवानी नर्सरी एक्ट-2025 नर्सरियों में गुणवत्ता मानकों को सुनिश्चित करेगा और किसानों को बागवानी की ओर आकर्षित करेगा, जिससे उनकी आमदनी में वृद्धि होगी। उन्होंने बताया कि इसी तरह मुख्यमंत्री बागवानी बीमा योजना (एम.बी.बी.वाई.) लागू है की हुई है जिसका उद्देश्य प्राकृतिक आपदाओं, प्रतिकूल मौसम और जलवायु असंतुलन से होने वाले नुकसान से किसानों की फसलों को सुरक्षा प्रदान करना है। इस योजना के अंतर्गत राज्य में 46 बागवानी फसलें शामिल हैं। फलों और सब्जियों के लिए 750 रूपए से एक हजार रुपए प्रति एकड़ प्रीमियम लिया जाता है, जबकि नुकसान की स्थिति में सब्जियों व मसाला फसलों के लिए 30 हजार रुपए तथा फलों के लिए 40 हजार रुपए तक मुआवजा दिया जाता है। डीसी ने बताया कि हरियाणा सरकार ने बागवानी के सतत विकास के लिए जाइका (जे.आई.सी.ए.) सहायता प्राप्त परियोजना को भी मंजूरी दी है। यह परियोजना 9 वर्षों में दो चरणों में लागू की जाएगी और इससे प्री-हार्वेस्ट तथा पोस्ट-हार्वेस्ट प्रबंधन सहित संपूर्ण बागवानी आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत किया जाएगा। इन पहलों के माध्यम से हरियाणा सरकार किसानों की आय बढ़ाने, कृषि को लाभकारी बनाने और राज्य को कृषि नवाचार का केंद्र बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है।

पर्यावरण संरक्षण के प्रति किया जागरूक

भीम प्रज्ञा न्यूज़.रेवाड़ी।

आलोक भांडोरिया । इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय, मीरपुर, रेवाड़ी के पर्यावरण विज्ञान विभाग एवं जैव प्रौद्योगिकी विभाग तथा पर्यावरण संरक्षण गतिविधि, रेवाड़ी टीम के आपसी सहयोग से बाबा फरीद सेवा ट्रस्ट द्वारा संचालित वृद्ध आश्रम परिसर में पर्यावरण संरक्षण एवं सतत जीवनशैली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से टेरेस किचन गार्डनिंग की एक सुव्यवस्थित एवं प्रेरणादायक पहल का आयोजन किया गया जिसका उद्देश्य सीमित स्थान में सब्ज़ी उत्पादन की व्यवहारिक संभावनाओं को प्रदर्शित करना तथा समाज को स्वास्थ्यवर्धक, स्वच्छ एवं पर्यावरण-अनुकूल जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना रहा। कार्यक्रम के अंतर्गत बैंगन, टमाटर, मिर्च एवं शिमला मिर्च की पौध एवं बीज रोपण किया गया, वहीं धनिया एवं पालक की बुवाई भी की गई। इसके अतिरिक्त सर्दी के मौसम के अनुरूप विभिन्न पुष्प पौधों के साथ-साथ गुड़हल एवं गुलाब के पौधे भी लगाए गए, जिससे आश्रम परिसर को हरित एवं सौंदर्यपूर्ण स्वरूप प्रदान किया जा सके। साथ ही आश्रम की रसोई से निकलने वाले जैविक कचरे से कम्पोस्ट तैयार करने की वैज्ञानिक एवं सरल विधि की जानकारी भी दी गई, ताकि जैविक कचरे का समुचित प्रबंधन सुनिश्चित हो सके और पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े। पर्यावरण विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. सुमन नागपाल ने किचन गार्डनिंग, जैविक खाद निर्माण तथा सतत विकास के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि यह पहल न केवल वृद्धजनों को प्रकृति से जोड़ने का सशक्त माध्यम बनेगी, बल्कि समाज में आत्मनिर्भरता, स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने में भी सहायक सिद्ध होगी। उन्होंने आम नागरिकों से भी अपने घरों में किचन गार्डन अपनाने एवं जैविक कचरे से खाद बनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर इंजीनियर सोनिया नाहर, शोधार्थी देवानंद एवं राहुल, जैव प्रौद्योगिकी विभागाध्यक्ष डॉ. रमेश कुमार तथा पर्यावरण संरक्षण गतिविधि से एकता कौशिक की विशेष उपस्थिति एवं सक्रिय सहभागिता रही।

स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव आज अटेली खंड के गांवों में करेंगी जनसभाएं

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडी अटेली।

मनोज बुलाण । हरियाणा की स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान तथा आयुष मंत्री आरती सिंह राव 21 जनवरी, 2026 को महेंद्रगढ़ जिले के अटेली ब्लॉक का दौरा करेंगी। जानकारी देते हुए मार्केट कमेटी के चेयरमैन दिनेश जेलदार ने बताया कि स्वास्थ्य मंत्री रेवाड़ी से प्रस्थान कर सीधे अटेली ब्लॉक के गांवों में पहुंचेंगी। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार वे सुबह 10 बजे गांव सराय में मंदिर के पास, 10.30 बजे गांव सुरानी के खेल मैदान में और 11 बजे गांव छापड़ा सलीमपुर स्थित रूपा दास मंदिर में जनसभाओं को संबोधित करेंगी। इसके बाद दोपहर 12 बजे गांव खोड स्थित गुग्गा जी बंगला और दोपहर 12.30 बजे गांव गुजरवास के रामलीला चौक पर आयोजित सार्वजनिक बैठकों में जनता से संवाद करेंगी।

नीमराना पंचायत समिति में ब्लॉक निष्पादन समिति की बैठक

शिक्षा गुणवत्ता और परीक्षा परिणाम सुधार पर जोर

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद । पंचायत समिति सभागार में मंगलवार को ब्लॉक निष्पादन समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी कमलेश यादव की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में क्षेत्र के सभी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालयों के संस्था प्रधानों ने भाग लिया। बैठक के दौरान मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी कमलेश यादव ने दिनांक 23 जनवरी को आयोजित होने वाली मेगा पीटीएम, मुख्यमंत्री संवाद कार्यक्रम एवं निपुण मेला के सफल आयोजन को लेकर विस्तृत दिशा-निर्देश दिए। इसके साथ ही आशान्वित ब्लॉक के संकेतकों की प्रगति तथा ब्लॉक रैंकिंग के विभिन्न पैरामीटरों की समीक्षा की गई। उन्होंने सभी संस्था प्रधानों को बोर्ड परीक्षा परिणाम उन्नयन योजना की प्रभावी क्रियान्विति करने तथा बेहतर परीक्षा परिणाम सुनिश्चित करने के लिए प्रेरित किया। अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी प्रथम पुष्पा यादव ने कक्षा 5वीं एवं 8वीं की परीक्षाओं के आवेदन की प्रगति की समीक्षा की तथा बोर्ड परीक्षाओं से पूर्व कक्षाओं, फर्नीचर एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर पूर्ण करने पर जोर दिया। वहीं एमआईएस प्रभारी दीपक सैनी ने यू-डाइस (UDISE) प्रगति रिपोर्ट पर विस्तार से जानकारी दी। बैठक में प्रधानाचार्या सुविधा कुमारी, सरस्वती यादव, विजय बाई, तारामणी, सुषमा यादव, अरुणा रानी, अनीता, मुकेशा यादव, शर्मिला यादव, आशा झिरवाल, कमलेश यादव, आशा यादव, सुशीला यादव, राजकुमार, दारासिंह यादव, कालूराम, रतिपाल सिंह, दिनेश कुमार, संजीव कुमार यादव, नरेंद्र सिंह चौहान सहित अन्य संस्था प्रधान उपस्थित रहे। बैठक का उद्देश्य शैक्षणिक गुणवत्ता को सुदृढ़ करना, परीक्षाओं की बेहतर तैयारी सुनिश्चित करना और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रभावी रणनीति पर अमल करना था।

गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारियों में जुटे प्रतिभागी विद्यार्थी व इंचार्ज

हरियाणा के खेल मंत्री गौरव गौतम होंगे जिला स्तरीय समारोह में मुख्य अतिथि

बावल में विधायक डा.कृष्ण कुमार व कोसली में विधायक अनिल यादव फहराएंगे राष्ट्रीय ध्वज

भीम प्रज्ञा न्यूज़.रेवाड़ी

रेवाड़ी में जिला मुख्यालय पर 26 जनवरी को पुलिस लाइन में जिला स्तरीय 77 वां गणतंत्र दिवस समारोह भव्य व गरिमामयी ढंग से मनाया जाएगा। डीसी अभिषेक मीणा के मार्गदर्शन में व एडीसी राहुल मोदी की देखरेख में मंगलवार को एसडीएम रेवाड़ी सुरेश कुमार ने पुलिस लाइन रेवाड़ी में विभिन्न विद्यालयों के प्रतिभागियों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों सहित अन्य गतिविधियों की रिहर्सल को देखा और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। गौरतलब है कि रेवाड़ी जिला मुख्यालय सहित उपमंडल कोसली व बावल में भी गणतंत्र दिवस समारोह गरिमामयी व भव्य तरीके से मनाया जाएगा। इस बार रेवाड़ी जिला मुख्यालय पर आयोजित होने वाले जिला स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह में हरियाणा के खेल, युवा अधिकारिता एवं उद्यमिता

मंत्री गौरव गौतम राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे वहीं उपमंडल बावल में आयोजित होने वाले उपमंडल स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह में विधायक बावल डा. कृष्ण कुमार तथा उपमंडल कोसली में आयोजित होने वाले उपमंडल स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह में विधायक कोसली अनिल यादव बतौर मुख्य अतिथि राष्ट्रीय ध्वज फहराने उपरांत परेड का निरीक्षण करेंगे और मार्च पास्ट की सलामी लेंगे। मंगलवार को एसडीएम सुरेश कुमार ने पुलिस लाइन मैदान में चल रही समारोह की तैयारियों का जायजा लेते हुए बताया कि गणतंत्र दिवस समारोह में सभी कार्यक्रम देशभक्ति से ओतप्रोत सहित राष्ट्रीय भावना को अग्रणी मानते हुए प्रेरणादायक एवं शिक्षाप्रद होंगे। उन्होंने बताया कि प्रशासनिक स्तर पर समारोह के सफल आयोजन के लिए जिम्मेवारी निर्धारित की गई हैं। सांस्कृतिक टीम के प्रतिभागी जिला शिक्षा अधिकारी बिजेंद्र हुड्डा, जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी प्रदीप दहिया, सांस्कृतिक कार्यक्रमों की नोडल अधिकारी एवं कार्यवाहक प्राचार्या डा. ज्योत्सना यादव व प्रवक्ता पूनम यादव की देखरेख में समारोह में दी जाने वाली सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति को अंतिम रूप देने में अपना दायित्व निभा रही हैं। एसडीएम ने बताया कि गणतंत्र दिवस समारोह से संबंधित फुल ड्रेस रिहर्सल 24 जनवरी को पुलिस लाइन रेवाड़ी में आयोजित की जाएगी। एसडीएम ने रिहर्सल के दौरान संबंधित टीम के इंचार्ज को निर्देश दिए कि वे मार्च पास्ट और सांस्कृतिक कार्यक्रम की तैयारियों पर विशेष ध्यान दें ताकि मनोहारी सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जा सकें। उन्होंने कहा कि संबंधित विभाग गणतंत्र दिवस पर निकाली जाने वाली झांकियों की तैयारियां भी समय रहते पूरा करना सुनिश्चित करें।

इन विद्यालयों के प्रतिभागी सांस्कृतिक कार्यक्रमों की देंगे प्रस्तुति :

पुलिस लाइन प्रांगण में आयोजित जिला स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह में राजकीय मॉडल विद्यालय जलियावास से विद्यार्थी मलखंभ सहित आत्म सुरक्षा की प्रस्तुति देंगे। इसके अलावा जैन पब्लिक स्कूल के विद्यार्थी देशभक्ति नृत्य, राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय की छात्राएं राजस्थानी नृत्य, राज इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थी कश्मीरी नृत्य और आरपीएस स्कूल के विद्यार्थी हरियाणवी लोक संस्कृति पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शानदार प्रस्तुतियों से समारोह में समां बांधेंगे। वहीं प्रथम इंटरनेशनल स्कूल छुरियावास की छात्राएं राष्ट्रगान की प्रस्तुति देंगी। एसडीएम ने बताया कि मुख्य अतिथि द्वारा मार्च पास्ट की सलामी लेने उपरांत गुरुकुल घासेड़ा द्वारा सूर्य नमस्कार व योगा की प्रस्तुति भी दी जाएगी, वहीं विभिन्न स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा पीटी व डंबल शो का प्रदर्शन किया जाएगा।

नीमराना में महिलाओं की आत्मनिर्भरता की पहल: रोड़वाल व माजरा में सिलाई प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद । संतोष देवी चैरिटेबल ट्रस्ट, ज़खराना एवं भावना बाल पर्यावरण एवं शिक्षा संस्थान, खोहर द्वारा संचालित जीवन कौशल शिक्षा अभियान के अंतर्गत नीमराना उपखंड के रोड़वाल गांव एवं माजरा में सिलाई प्रशिक्षण शिविर का मंगलवार को विधिवत उद्घाटन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं और युवतियों को स्वरोजगार से जोड़कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डॉ. शानू यादव, प्रदेश प्रवक्ता महिला मोर्चा भाजपा राजस्थान एवं सचिव, संतोष देवी चैरिटेबल ट्रस्ट ज़खराना रहीं। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि राठ क्षेत्र के अधिक से अधिक गांवों की महिलाओं को इस मिशन से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाया जाएगा, ताकि महिलाएं अपने और अपने परिवार के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकें। उन्होंने सभी महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने की शुभकामनाएं दीं। डॉ. शानू यादव ने बताया कि ट्रस्ट द्वारा क्षेत्र के विभिन्न गांवों में सामाजिक उत्थान, खेलकूद, शिक्षा और महिला सशक्तिकरण को लेकर निरंतर कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। प्रशिक्षण प्राप्त कर रही महिलाएं और बालिकाएं स्वावलंबी बनकर न केवल अपने व्यक्तिगत जीवन में आगे बढ़ेंगी, बल्कि समाज में भी सकारात्मक बदलाव लाने में योगदान देंगी। माजरा गांव में आयोजित कार्यक्रम में पूर्व सरपंच समय सिंह, रामनिवास, सतनारायण मास्टर, धर्मवीर यादव, कृष्णा एवं राजबाला यादव उपस्थित रहे। वहीं रोड़वाल गांव में पूर्व सरपंच नरेंद्र शर्मा, शीशराम यादव, यशवंत यादव, कालूराम जोशी, मुकेश देवी, उषा कुमावत, प्रीति कुमावत, मोनिका, कुसुम, विमल, मंगल देवी सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे। इस अवसर पर प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली सैकड़ों महिलाओं की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखने को मिली। ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक सराहनीय कदम बताया।

कोलीला धाम में श्री ठाकुर जी श्याम मन्दिर का द्वितीय विशाल मेला एवं देशी घी का भण्डारा धूमधाम से सम्पन्न

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद । नीमराना उपखंड के ग्राम कोलीला धाम में आज मंगलवार को ठाकुर जी व श्री श्याम मन्दिर के द्वितीय विशाल मेले एवं देशी घी के भण्डारे का आयोजन धूमधाम से सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर समस्त ग्राम पंचायत कोलीला एवं ग्रामवासी कोलीला धाम द्वारा भव्य श्याम दरबार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में झोटवाड़ा विधानसभा प्रत्याशी जयपुर आशू सिंह सूपेरा उपस्थित रहे। अतिविशिष्ट अतिथियों में विधायक मुण्डावर ललित यादव, भाजपा अलवर उत्तर के पूर्व जिलाध्यक्ष बलवान सिंह यादव, युवा नेता एवं समाजसेवी इन्द यादव, डॉ. पुष्पेन्द्र चौहान, समाजसेवी नीमराना अकश छिल्लर, अंतर्राष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी सचिन तंवर, कोहराना गोविन्द शर्मा, ग्राम पंचायत कोलीला के सरपंच कृष्णा, उपसरपंच राकेश सिंह चौहान और महाराजा होटल दुगेड़ा के बन्नी चौहान शामिल हुए। कार्यक्रम में भजन प्रस्तुतियों में सुनील शर्मा (सांवरिया कर दो बेड़ा पार), अंजू शर्मा (फूलों से श्याम की), कान्हा भैया (श्याम मेरे कोलीला वाले) और विजय राजपूत (श्याम सा वील्डर नही) ने अपनी प्रस्तुतियां दीं। देशी घी का भण्डारा (दाल-चूरमा) सुबह 10:15 बजे से प्रारंभ हुआ। कार्यक्रम का आयोजन ट्रस्ट श्री श्याम लखदातार परिवार, समस्त ग्राम पंचायत कोलीला एवं समस्त ग्रामवासी कोलीला श्याम लखदातार परिवार, समस्त ग्राम पंचायत कोलीला एवं समस्त ग्रामवासी कोलीला धाम द्वारा किया गया।

टोहाना के जाखल कस्बे के विद्यालय और नागरिक अस्पताल में सुविधाओं का एसडीएम ने लिया जायजा

एसडीएम आकाश शर्मा आई ए एस ने विद्यार्थियों से संवाद कर किया प्रोत्साहित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना/जाखल।

रजत विजय रंगा । एसडीएम आकाश शर्मा ने मंगलवार को जाखल स्थित सरकारी विद्यालय तथा नागरिक अस्पताल का दौरा कर शैक्षणिक, पोषण एवं स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य और स्वच्छता से संबंधित सेवाओं की उपलब्धता एवं गुणवत्ता का आकलन किया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। विद्यालय निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने विभिन्न कक्षाओं का दौरा किया और विद्यार्थियों से संवाद कर उनकी शैक्षणिक प्रगति का जायजा लिया। कक्षाओं में विद्यार्थियों से संवाद किया और पाठ्यक्रम की प्रगति के बारे में जानकारी ली। उन्होंने यह जाना कि निर्धारित सिलेबस कितना पूरा किया जा चुका है, विद्यार्थियों को पढ़ाए गए विषय कितनी अच्छी तरह समझ में आए हैं तथा अध्यापन किस प्रकार से किया जा रहा है। विद्यार्थियों से प्रश्न पूछकर उनकी समझ का आकलन किया गया और शिक्षकों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए कि पढ़ाई सरल, प्रभावी और विद्यार्थियों की समझ के अनुरूप हो, एसडीएम ने विज्ञान प्रयोगशाला, पुस्तकालय एवं अन्य शैक्षणिक सुविधाओं का भी निरीक्षण किया। उन्होंने विद्यालय परिसर में समुचित साफ-सफाई बनाए रखने, शिक्षण संसाधनों के बेहतर उपयोग और उपलब्ध सुविधाओं के नियमित रखरखाव के निर्देश दिए। शिक्षकों को समयबद्ध रूप से विद्यालय में उपस्थित रहने तथा नियमित और प्रभावी कक्षाएं संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने मिड-डे मील योजना के अंतर्गत परोसे जा रहे भोजन की गुणवत्ता की भी जांच की। इसके साथ ही रसोईघर और भोजन तैयार करने के स्थान की स्वच्छता की गहन जांच की गई। निरीक्षण के दौरान विद्यालय में शौचालयों की स्थिति की समीक्षा की गई और उनके नियमित रखरखाव एवं स्वच्छता को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, इसके अतिरिक्त स्वच्छ पेयजल की निरंतर उपलब्धता, विद्यार्थियों के बैठने की व्यवस्था, खेलकूद तथा अध्ययन के लिए उपलब्ध वातावरण का भी निरीक्षण किया गया और इन सुविधाओं की वर्तमान स्थिति का जायजा लिया गया। इसके उपरांत एसडीएम ने नागरिक अस्पताल का निरीक्षण किया। उन्होंने मरीजों से बातचीत कर हस्पताल में प्रदान की जा रही स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी ली। स्टाफ की उपस्थिति की जांच की गई और सभी कर्मचारियों को समय पर ड्यूटी पर उपस्थित रहने तथा मरीजों के साथ शालीन, संवेदनशील और सहयोगात्मक व्यवहार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान दवाइयों की उपलब्धता, जांच सुविधाएं, आपातकालीन सेवाएं तथा अस्पताल की स्वच्छता व्यवस्था की भी समीक्षा की। एसडीएम ने स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता बनाए रखने और मरीजों को समय पर उचित उपचार उपलब्ध कराने के लिए सभी व्यवस्थाओं को सुचारु रूप से संचालित रखने के निर्देश दिए।

विद्यार्थियों को आपदाओं से निपटने और आपातकालीन स्थिति में जीवन बचाने का दिया प्रशिक्षण

एनडीआरएफ द्वारा पीएम श्री स्कूल जेएनवी, खारा खेड़ी में स्कूल सेफ्टी कार्यक्रम का आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय, खारा-खेड़ी में विद्यार्थियों को आपदाओं से निपटने और आपातकालीन स्थिति में जीवन बचाने के लिए विशेष प्रशिक्षण दिया गया। स्कूल सुरक्षा कार्यक्रम के तहत आयोजित इस शिविर में राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) की 7वीं वाहिनी ने शिरकत की। प्रशिक्षण के दौरान एनडीआरएफ की टीम ने आधुनिक उपकरणों और व्यावहारिक प्रदर्शनों के माध्यम से विद्यार्थियों को 11 प्रमुख विषयों पर प्रशिक्षित किया। धर्मांशु यादव के नेतृत्व में एनडीआरएफ टीम ने विद्यार्थियों को सिखाया कि यदि किसी व्यक्ति की सांस रुक जाए या दिल की धड़कन बंद हो जाए, तो सीपीआर तकनीक के जरिए उसकी जान कैसे बचाई जा सकती है। इसके साथ ही श्वास नली में कुछ फंसने पर किए जाने वाले उपायों का भी अभ्यास कराया गया। प्रशिक्षण के दौरान दुर्घटना स्थल पर उपलब्ध सामग्री जैसे चादर, कंबल या डंडों की मदद से अस्थाई स्ट्रेचर बनाना और हाथ टूटने पर अस्थाई पलस्तर करने की विधि भी विद्यार्थियों को सिखाई गई। इसके साथ ही विद्यार्थियों को न केवल अग्निशामक यंत्रचलाना सिखाया गया, बल्कि आग में फंसे घायल को सुरक्षित बाहर निकालने की फायर एंड ड्रेग पद्धति का भी अभ्यास कराया गया। कार्यक्रम में भूकंप और बाढ़ जैसी आपदाओं के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों और बचाव के तरीकों पर विस्तार से चर्चा की गई।

इस मौके पर धर्मांशु यादव ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि स्कूलों में इस तरह के प्रशिक्षण का उद्देश्य भविष्य की पीढ़ी को डिजास्टर रेजिलिएंट (आपदा सक्षम) बनाना है। उन्होंने बताया कि आपदा के समय घबराहट के बजाय सही तकनीक का प्रयोग ही जीवन और मृत्यु के बीच का अंतर तय करता है। विद्यालय के प्राचार्य अनूप सिंह ने बताया कि इस मॉक ड्रिल का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों एवं विद्यालय स्टाफ को विभिन्न प्रकार की आपदाओं जैसे भूकंप, आग, बाढ़ अथवा अन्य आकस्मिक स्थितियों के दौरान सुरक्षा, सतर्कता एवं त्वरित प्रतिक्रिया के प्रति जागरूक करना था। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी विद्यार्थियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए ऐसे जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे।

खेतड़ी में सैनी समाज ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

11 सूत्रीय मांग रखीं, 12 फीसदी अलग से आरक्षण की मांग

भीम प्रज्ञा न्यूज

खेतड़ी । खेतड़ी कस्बे में मंगलवार को सैनी समाज ने अपनी 11 सूत्रीय मांगों को लेकर उपखंड अधिकारी (एसडीएम) को ज्ञापन सौंपा। समाज ने मुख्यमंत्री से सैनी, कुशवाहा, मौर्य और सुमन समाज के लिए 12 प्रतिशत अलग से आरक्षण की मांग की है।

लंबे समय से आरक्षण की कर रहे थे मांग

एसडीएम सुनील कुमार चौहान को दिए गए ज्ञापन में बताया-सैनी समाज लंबे समय से आरक्षण की मांग कर रहा है, लेकिन राज्य सरकार द्वारा समाज के हितों के लिए कोई प्रभावी कदम नहीं उठाए गए हैं। समाज का आरोप है कि सरकार की उदासीनता के कारण उन्हें परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। संत लिखमीदास महाराज की जन्मस्थली को राष्ट्रीय स्मारक घोषित करने की मांग ज्ञापन में अन्य प्रमुख मांगों में देवनारायण बोर्ड की तर्ज पर महात्मा ज्योतिबा फुले बोर्ड को प्रशासनिक व वित्तीय अधिकार देकर पदाधिकारियों की तत्काल नियुक्ति, संत लिखमीदास महाराज की जन्मस्थली को राष्ट्रीय स्मारक घोषित करना, भारतीय सेना में सैनी रेजिमेंट का गठन, और महात्मा ज्योतिबा फुले दंपती को भारत रत्न से सम्मानित करना शामिल है। इसके अतिरिक्त, आंदोलन के दौरान दर्ज मुकदमों को वापस लेने, समाज के लोगों की सुरक्षा के लिए एससी-एसटी एक्ट के तहत कानून लागू करने, महात्मा ज्योतिबा फुले संग्रहालय बनवाने, सैनी, माली, कुशवाहा समाज के लिए अलग से बागवानी विकास बोर्ड बनाने, समाज के बच्चों की उच्च शिक्षा हेतु महात्मा ज्योतिबा फुले फाउंडेशन स्थापित करने, और राज्य सरकार द्वारा विकसित की जा रही फल, सब्जी व अनाज मंडियों में दुकानों का आवंटन करने की मांग की गई।

टोहाना की जाखल पुलिस की बडी कार्यवाही: लूट की नियत से परिवार पर हमला करने वाले गिरोह का पर्दाफाश

एसपी सिद्धांत जैन के नेतृत्व में 2 आरोपी गिरफ्तार

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना/जाखल।

रजत विजय रंगा । पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन,आईपीएस के निर्देशानुसार अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत जाखल पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने अंबाला से पूजा कर लौट रहे एक परिवार का पीछा कर, उनकी गाड़ी को टक्कर मारकर लूट व हमले का प्रयास करने वाले गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया है। डीएसपी टोहाना उमेद ने बताया की शिकायतकर्ता बिट्टू कुमार निवासी नथुवाल ने पुलिस को बताया कि 18 जनवरी 2026 की रात वह अपने परिवार के साथ अंबाला से पूजा करवाकर अपनी होंडा सिटी कार से लौट रहा था। छोटी म्योंद के पास दो संदिग्ध गाड़ियों (स्विफ्ट और अल्टो) ने उनका पीछा करना शुरू किया। आरोपियों ने दहशत फैलाने के लिए पीड़ित की गाड़ी को टक्कर मारी, जिससे उनकी कार बिजली के खंभे से टकरा गई। हमलावरों ने ईंट-पत्थरों से हमला किया और गाड़ी में मौजूद महिलाओं के साथ बदसलूकी व लूट का प्रयास किया। पीड़ित परिवार द्वारा शोर मचाने पर गांव वाले इकट्ठा हो गए, जिसे देखकर आरोपी अपनी गाड़ियों सहित मौके से फरार हो गए। शिकायत के आधार पर अभियोग संख्या 08 दिनाँक.19.01.2026 धारा 309(5), 309(6) और 324(4) बीएनएस के तहत थाना जाखल मामला दर्ज किया गया । मामले की गंभीरता को देखते हुए जाखल पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और सूचना के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए वारदात में शामिल दो मुख्य आरोपियों को धर दबोचा।* 'जिले में कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वाले और आमजन को डराने-धमकाने वाले अपराधियों के लिए कोई जगह नहीं है। फतेहाबाद पुलिस पूरी मुस्तैदी के साथ नागरिकों की सुरक्षा के लिए तैनात है।

हाडोती बैरवा समाज उत्थान समिति की एकदिवसीय बैठक का डॉ भीमराव अंबेडकर छात्रावास में सफलतापूर्वक हुआ समापन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.कोटा।

राकेश कुमार बैरवा । मंगलवार को हाडोती बैरवा समाज उत्थान समिति द्वारा डॉ भीमराव अंबेडकर छात्रावास में एक दिवसीय बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें बैठक की अध्यक्षता रामलाल टटवाड़िया ने की। बैठक में निम्न विषय पर चर्चा की गई - जिसमें आगामी 26 जनवरी 2026 को 11:00 बजे कार्यक्रम रहेगा एवं 70 वर्ष से अधिक आयु के महिला एवं पुरुष व विकलांग, विधवा आदि का स्वागत करके सम्मान किया जाएगा तथा जिन कार्यकर्ताओं का सम्मान किया जाएगा उन सभी कार्यकर्ताओं को दिनांक 24 जनवरी 2026 को शाम 5:00 बजे तक अपना आधार कार्ड एवं पहचान पत्र देखकर अपना पंजीयन आवश्यक रूप से करना होगा । दिनांक 22 जनवरी 2026 को लोकसभा अध्यक्ष श्रीमान ओम जी बिरला का भी संस्था की ओर से स्वागत किया जाएगा साथ ही 13 सूत्रीय मांगों को लेकर ज्ञापन भी दिया जाएगा । प्रशासक के रूप में गणेशगंज में ग्राम पंचायत में पदभार ग्रहण करने वाले हेमंत बैरवा की ओर से लोकसभा अध्यक्ष का स्वागत किया जाएगा। बैठक में मुख्य रूप से महामंत्री धर्मराज धरावना , लालचंद लोहरवाडिया, संरक्षक रामचरण बैरवा, संयोजक ब्रजमोहन बैरवा , रामलाल गोमे, जयराम ठेकेदार , गिरिराज ठेकेदार , संजय बडोदिया, राजेश, रामगोपाल ठेकेदार, शंकर लाल जीनवाल, भागचंद बैरवा, सुरेंद्र बैरवा, रघुवीर बैरवा आदि उपस्थित रहे ।

गांव डोलिया में बड़े धूमधाम से निकाली लोकदेवता बाबा रामदेव जी महाराज की शोभायात्रा

भीम प्रज्ञा न्यूज़.कोटा।

राकेश कुमार बैरवा । मंगलवार को ग्राम डोलिया तहसील लाडपुरा में बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर जी व बाबा रामदेवजी की शोभायात्रा पूर्व भीम आर्मी प्रदेश महासचिव महेंद्रपाल मूलनिवासी के संयुक्त तत्वाधान में निकाली गई। शौभायात्रा में लगभग 7 हजार बैरवा समाज बंधुओ ने भाग लिया। लोगों का कहना है कि आजादी के 77 साल बाद भी गांव में आज दिन तक दलित समाज की न तो शौभायात्रा निकलने दी और न ही बारात में दूल्हा घोड़ी पर बैठ निकलने दिया। आज जातिवादी सोच को लेकर झगड़े की संभावना को देखते हुए सैकड़ों पुलिसकर्मियों की पहरेदारी में घोड़ियों , बग्गियों पर सवार होकर भव्य शौभायात्रा निकाली गई। हजारों सालों की बेड़ियों को तोड़ते हुए बहुजन के मान सम्मान स्वाभिमान की लड़ाई को उच्छव वर्मा और महेंद्र पाल के संघर्ष से डोलिया गांव में घोड़ियों पर बहुजन समाज के लोगों को बिठाकर यात्रा निकाली। जिसमे मुख्य अतिथि एएसपी प्रदेश सह प्रभारी मोहनलाल बैरवा , अति विशिष्ट अतिथि ASP राष्ट्रीय कोर कमेटी सदस्य भामाशाह चेतराम बैरवा, पूर्व भीम आर्मी प्रदेश अध्यक्ष वर्तमान वजीरपुर नगरपालिका अध्यक्ष मुकेश बैरवा, विशिष्ट अतिथि ASP यूथ अध्यक्ष नरेश मीरवाल, एएसपी अरविंद आर्य, ASP कोटा संभाग प्रभारी सीपी चांदसी , भामाशाह प्रेमशंकर मेहरा, दौसा जिला अध्यक्ष उम्मेद बैरवा, बूंदी जिला अध्यक्ष मांगीलाल बैरवा , भीम आर्मी जिला अध्यक्ष लक्ष्मण बैरवा , बारां जिला अध्यक्ष कमल बैरवा, कोटा ग्रामीण जिला अध्यक्ष धनराज अंबेडकर , एएसपी सिटी अध्यक्ष रवि मेघवाल , एएसपी जिला प्रभारी धर्मवीर बैरवा , बैरवा यूथ अध्यक्ष रवींद्र बैरवा , प्रवीन बैरवा सभी अतिथियों का माला पहनाकर स्वागत सम्मान किया गया द्य इसके उपरान्त सभी अतिथियों ने अपने ओजस्वी भाषण से समाज का हौसला अफजाई करते हुए मार्गदर्शित किया द्य इस दौरान अंबेडकर वेलफेयर सोसायटी अध्यक्ष सत्यनारायण बैरवा , कोषाध्यक्ष राकेश बैरवा , रतनलाल नेताजी , उमाशंकर बैरवा, रामकवार जी , आसिश, बाबूलाल , दीपक मेघवाल , नंदबिहारी, चिंताराम, बाबूलाल , नाथूलाल , दीपक बैरवा , सूरज बैरवा , रामस्वरूप , पप्पू, बृजमोहन , हेमराज , सुनील ,रोहित ,महावीर , कैलाश, छोटूलाल ,जगदीश, मनोज, आदि समस्त बहुजन समाज बंधु उपस्थित रहें द्य

ओलंपिक पदक विजेता साइना नेहवाल ने लिया संन्यास

नई दिल्ली (एजेंसी)। अनुभवी बैडमिंटन स्टार साइना नेहवाल ने खेल से संन्यास ले लिया है। ओलंपिक कांस्य पदक विजेता साइन ने संन्यास की घोषणा करते हुए कहा कि अब उनकी फिटनेस पहले जैसी नहीं रही है। इसी कारण वह प्रतिस्पर्धी खेलों में अब नहीं उतरेंगी। साइना ने 2012 लंदन ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था। उन्होंने अंतिम बार कोई मुकाबला साल 2023 में सिंगापुर ओपन में खेला था। वह गत ढाई-तीन साल से पेशेवर बैडमिंटन से दूर रही हैं। उनके घुटने में भी समस्या है। इस कारण वह काफी समय से खेल से दूर चल रहीं थीं। उनकी उम्र भी 35 के करीब पहुंच रही है जिससे भी उनके खेल पर प्रभाव पड़ा है। उन्हें अपने योगदान के कारण अर्जुन पुरस्कार (2009), मेजर ध्यानचंद खेल रत्न (2010), पद्म श्री (2010) और पद्म भूषण (2016) जैसे अवार्ड मिले हैं।

साइना ने पिछले कुछ समय से बैडमिंटन नहीं खेला है और उसके बाद से ही उनके संन्यास की अटकलें लगायी जा रहीं थीं। साइना ने कहा, ''मैंने दो साल पहले ही खेलना छोड़ दिया था मैंने अपनी अनुसार ही खेला और अब संन्यास की घोषणा की है। साथ ही कहा कि अगर आप और खेलने में सक्षम नहीं हैं तो खेल में बने रहने का मतलब नहीं है।'' नेहवाल ने कहा कि यह फैसला उन्होंने घुटने की गंभीर समस्या से लिया, जिसकी वजह से लगातार उच्च दबाव वाली ट्रेनिंग कठिन हो गयी थी।

नेहवाल ने कहा, ÷ उनका घुटना दर्द कर रहा है। कार्टिलेज पूरी तरह से खराब हो गया है, इसके अलावा उन्हें जोड़ो की बिमारी है, यह बात मेरे माता-पिता को पता होनी चाहिए थी, मेरे कोच को यह जानना जरूरी था और मैंने बस उनसे कहा, 'अब शायद मैं यह और नहीं खेल पाऊंगी, यह कठिन है।÷ संन्यास की घोषणा पर साइना ने कहा, लोगों को धीरे-धीरे पता चल ही रहा था कि साइना नहीं खेल रही है। घुटने की चोट को लेकर साइना ने कहा, खेल में शीर्ष पर आने आठ से नौ घंटे ट्रेनिंग की जरुरी होती है पर अब मेरा घुटना एक या दो घंटे में ही दर्द करने लगा था।

गौरतलब है कि बैडमिंटन में ओलंपिक कांस्य पदक जीतने वाली साइना पहली भारतीय खिलाड़ी थीं। इसके अलावा वह साल 2015 में विश्व रैंकिंग में नंबर 1 खिलाड़ी भी रही थीं। बीडब्ल्यूएफ विश्व जूनियर चैंपियनशिप 2008 में उन्होंने जीत हासिल की जबकि सुपर सीरीज खिताब 2009 इंडोनेशिया ओपन 2009 उन्होंने जीत हासिल की। 2010 और 2018 राष्ट्रमण्डल खेलों में उन्होंने स्वर्ण पदक भी जीता है। वह इन खेलों में दो एकल स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी हैं।

तनावपूर्ण माहौल में खेले गए मैच में सेनेगल ने मोरक्को को हराकर जीता अफ्रीका कप

रबात (मोरक्को) (एजेंसी)। सेनेगल ने पेप गुये के अतिरिक्त समय में किए गए गोल की मदद से मेजबान मोरक्को को 1-0 से हराकर अफ्रीका कप ऑफ नेशंस फुटबॉल टूर्नामेंट का खिताब जीता। बेहद तनावपूर्ण परिस्थितियों में खेले गए फाइनल में दोनों टीम निर्धारित समय तक गोल नहीं कर पाई थी लेकिन आखिर में पेप गुये निर्णायक गोल करने में सफल रहे।

फाइनल मैच में तनाव काफी बढ़ गया था। मैच के दौरान ऐसा समय भी आया जब दर्शकों ने मैदान पर घुसने की कोशिश की। यही नहीं सेनेगल के खिलाड़ी दूसरे हाफ के स्टॉपेज टाइम में पेनल्टी के फैसले के विरोध में मैदान से बाहर चले गए थे। यह स्पष्ट नहीं था कि खेल जारी रह पाएगा या नहीं क्योंकि प्रशंसक सुरक्षाकर्मियों से भिड़ गए थे। इसके कारण 14 मिनट तक खेल नहीं हो पाया था। खेल शुरू होने पर सेनेगल के एडुआर्ड मेंडी ने ब्राहिम डियाज़ की पेनल्टी को आसानी से बचा लिया। इसके बाद गुये ने अतिरिक्त समय के चौथे मिनट में विजयी गोल दागा। मोरक्को की पराजय के कारण 69,500 दर्शकों की क्षमता वाला प्रिंस मौले अब्देललाह स्टेडियम अंतिम सीटी बजते ही खाली होने लग गया था। सेनेगल के खिलाड़ियों को ट्रॉफी उठाते हुए देखने के लिए बहुत कम लोग बचे थे। सेनेगल ने दूसरी बार अफ्रीका कप जीता। इससे पहले वह 2021 में चैंपियन बना था।

केन्द्रीय अनुबंध में विराट, रोहित का डिमोशन तय, बी ग्रेड में रखे जाने की संभावना

इंदौर (एजेंसी)। मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के नये केन्द्रीय अनुबंध में अनुभवी खिलाड़ियों विराट कोहली और रोहित शर्मा का डिमोशन होना तय है। अभी ये दोनो ही खिलाड़ी ए प्लस ग्रेड में

हैं। ये ग्रेड उन खिलाड़ियों को मिलता है जो तीनों ही प्रारुप खेलते हैं। विराट और रोहित अब केवल एकदिवसीय प्रारुप ही खेलते हैं। ऐसे में इनका डिमोशन तय है। इसका एक और कारण ये है कि बीसीसीआई अनुबंध से ए प्लस कैटेगरी को समाप्त कर उसकी जगह पर केवल ए, बी और सी कैटेगरी को जारी रख सकती है। अगर ऐसा होता है तो फिर विराट कोहली और रोहित शर्मा के अलावा जसप्रीत बुमराह और रविंद्र जडेजा का भी डिमोशन क्योंकि ये दोनो भी पिछली बार ए प्लस कैटेगरी में शामिल थे। बीसीसीआई को अक्टूबर 2025 से सितंबर 2026 तक के लिए केन्द्रीय अनुबंध की घोषणा करनी है। ऐलान बीसीसीआई को करना है।

एक रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई एक बदला हुआ केन्द्रीय अनुबंध सिस्टम लाने वाला है, जिसके तहत ग्रेड ए प्लस को बंद कर दिया जाएगा। इस नये सिस्टम को मंजूरी मिली तो विराट और रोहित को बी ग्रेड में रखा जाएगा। ये दोनो ही अभी तक ए प्लस कैटेगरी में थे। रविंद्र जडेजा का भी यही हाल होगा पर जसप्रीत बुमराह ए कैटेगरी में चले जाएंगे।

चयहन समिति ने अनुबंध प्रणाली में बदलाव का प्रस्ताव दिया है। कमिटी ने 7 करोड़ राशि वाले ए प्लस वर्ग को समाप्त कर केवल तीन वर्ग ए, बी और सी रखने को कहा है। इससे वेतन पर भी प्रभाव पड़ेका। ए प्लस कैटेगरी के लिए पहले 7 करोड़ मिलते थे, ए के लिए 5, बी के लिए 3 और सी के लिए 1 करोड़ रुपये सालाना मिलते थे। अगर ये मॉडल अप्रूव हुआ तो केवल एकदिवसीय खेल रहे रोहित और विराट को बी कैटेगरी में रखा जाएगा।

आरसीबी ने रचा इतिहास, ऐसा करने वाली पहली टीम बनी

वडोदरा (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) ने महिला प्रीमियर लीग (WPL) 2026 में इतिहास रचते हुए गुजरात जायंट्स को 61 रनों से करारी शिकस्त दी और प्लेऑफ में अपनी जगह पक्की कर ली। यह मुकाबला वडोदरा के कोटांबी स्थित बीसीए स्टेडियम में खेला गया। इस जीत के साथ RCB ने टूर्नामेंट में लगातार पांचवीं जीत दर्ज की। गौतमी नाइक की संयमित अर्धशतकीय पारी और शानदार टीम प्रदर्शन के दम पर RCB इस सीजन नॉकआउट में पहुंचने वाली पहली टीम बन गई।

लगातार जीतों का रिकॉर्ड, WPL में पहली बार हुआ ऐसा

RCB की यह जीत सिर्फ प्लेऑफ टिकट तक सीमित नहीं रही। 2025 सीजन के अंत से लेकर मौजूदा सीजन तक RCB अब लगातार छह मुकाबले जीत चुकी है, जो WPL इतिहास में एक नया रिकॉर्ड है।

अब तक: मुंबई इंडियंस ने दो बार लगातार 5 मैच जीते थे, RCB ने पहले भी एक बार 5 मैचों की जीत दर्ज की थी, दिल्ली कैपिटल्स का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 4 लगातार जीत रहा है; लेकिन स्मृति मंधाना की कप्तानी में RCB WPL के चार साल के इतिहास में लगातार छह जीत दर्ज करने वाली पहली टीम बन गई है।

दिल्ली के खिलाफ नजर सातवीं जीत पर

अगर RCB 24 जनवरी को दिल्ली कैपिटल्स को हरा देती है, तो वह: WPL सीजन की शुरुआत में लगातार 6 जीत दर्ज करने वाली पहली टीम बनेगी, कुल मिलाकर जीतों की संख्या 7 तक पहुंच जाएगी, फिलहाल, सिर्फ मुंबई इंडियंस ही 2023 में सीजन की शुरुआत लगातार पांच जीत के साथ कर पाई थी।

कैसे RCB ने गुजरात जायंट्स को दी मात

टॉस हारकर पहले बल्लेबाज़ी करने उतरी RCB की शुरुआत खराब रही। शुरुआती दो ओवरों में ही ग्रेस हैरिस और जॉर्जिया वोल आउट हो गईं और टीम का स्कोर 9/2 हो गया।

इसके बाद: गौतमी नाइक ने मोर्चा संभाला, कप्तान स्मृति मंधाना के साथ मिलकर तीसरे विकेट के लिए 60 रनों की अहम साझेदारी की, मंधाना 26 रन बनाकर ऐश्ले गार्डनर की गेंद पर LBW आउट हुई। नाइक की जिम्मेदार पारी की बदौलत RCB ने मजबूत स्कोर खड़ा किया, जिसके बाद गेंदबाज़ों ने गुजरात को पूरी तरह दबाव में रखा और 61 रन से बड़ी जीत दर्ज की।

आईपीएल की तरह ही पीएसएल में भी होगी खिलाड़ियों की नीलामी

इस्लामाबाद । पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) अब इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की तर्ज पर ही खिलाड़ियों की नीलामी आयोजित करेगा। पीसीबी इस साल अपने 11 वें सत्र से पहले ये बदलाव करेगा। इसके तहत ही अब तक जारी प्लेयर ड्राफ्ट प्रणाली की जगह प्लेयर नीलामी मॉडल रखा जाएगा। पीसीबी का कहना है कि वह विकास , प्रतिस्पर्धा के साथ ही नये तरीके अपननो पर जोर दे रहा है। जिससे कि टूर्नामेंट का आकर्षण बढ़ सके। पीसीबी ने कहा कि बदलाव का लक्ष्य खेल में पारदर्शिता को बढ़ाने के साथ ही खिलाड़ियों को कमाई के अधिक अवसर देना है में नए नियमों के अनुसार हर फ्रेंचाइजी ज्यादा से ज्यादा चार खिलाड़ियों को रिटेन कर सकती है, जिसमें हर वर्ग से एक खिलाड़ी शामिल होगा। वहीं पहले हर फ्रेंचाइजी को अपनी टीम से 8 खिलाड़ियों को रिटेन करने की अनुमति थी जिसमें एक मेंटर, एक ब्रांड एंबेसडर और प्लेयर ड्राफ्ट में नौवें खिलाड़ी को रिटेन करने के लिए राइट टू मैच विकल्प शामिल था। पीएसएल 11 के लिए मेंटर, ब्रांड एंबेसडर और आरटीएम से जुड़े नियम हटा दिए गए हैं। नई शामिल होने वाली टीमों को प्लेयर नीलामी से पहले उपलब्ध प्लेयर पूल से चार खिलाड़ियों को चुनने और रिटेन करने की अनुमति होगी। हर फ्रेंचाइजी को एक विदेशी खिलाड़ी की सीधे शामिल करने की भी इजाजत होगी। जो पीएसएल 10 में नहीं खेला था जिससे टीमें नई अंतरराष्ट्रीय प्रतिभा के साथ लाकर अपनी टीमों को मज़बूत कर सकेंगी। इसके अलावा खिलाड़ियों का वेतन बढ़ाकर प्रति फ्रेंचाइजी 16 लाख रुपये कर दिया गया है।

15 फरवरी को भारत-पाकिस्तान के बीच होंगे दो क्रिकेट मुकाबले

- पुरुष टीमें टी20 विश्वकप, महिला टीमें एशिया कप राइजिंग स्टार्स मुकाबले में टकरायेंगी

मुम्बई । भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले क्रिकेट मुकाबलों का प्रशंसकों को इंतजार रहता है। इन मैचों में काफी रोमांच रहता है। अब एक बार फिर 15 फरवरी को होने वाले टी20 विश्वकप में दोनो ही टीमों के बीच कड़ा मुकाबला होने की संभावना है। इस दिन दोनो ही टीमों के बीच एक नहीं दो मुकाबले होंगे क्योंकि इसी दिन दोनों देशों की पुरुष टीमों जहां टी20 विश्वकप, वहीं महिला टीमें एशिया कप राइजिंग स्टार्स टूर्नामेंट में मुकाबला करेंगी। एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) ने महिला एशिया कप राइजिंग स्टार्स का कार्यक्रम जारी कर दिया है। यह टूर्नामेंट 13 से 22 फरवरी तक बैंकॉक, थाईलैंड में खेला जाएगा और इसमें कुल 8 टीमें भाग लेंगी, जिन्हें दो समूहों रखा गया है। इस टी20 टूर्नामेंट में एशिया की शीर्ष महिला क्रिकेटर नजर आयेंगी। इसमें चार सदस्य देशों की 'ए' टीमें और क्षेत्र की चार शीर्ष एसोसिएट टीमें भी शामिल रहेंगी। इसकें ग्रुप ए में भारत ए, पाकिस्तान ए, यूएई और नेपाल हैं। भारत ए टीम अपना अभियान 13 फरवरी को यूएई के खिलाफ शुरू करेगी। इसके बाद 15 फरवरी को पाकिस्तान ए से उसका मुकाबला होगा। वहीं टीम 17 फरवरी को नेपाल से खेलेगी। ग्रुप बी में श्रीलंका ए, बांग्लादेश ए, मलेशिया और मेजबान थाईलैंड के बीच मुकाबला होगा। वहीं दूसरी ओर भारतीय पुरुष टीम को टी20 विश्व कप 2026 में ग्रुप ए में पाकिस्तान, नामीबिया, नीदरलैंड्स और अमेरिका से खेलेगी। भारतीय टीम अपने विश्वकप अभियान की शुरुआत 7 फरवरी को यूएसए के खिलाफ करेगी। वहीं 12 फरवरी को उसे नामीबिया, 15 फरवरी को पाकिस्तान और 18 फरवरी को नीदरलैंड्स से खेलना है।

मोहम्मद शमी ने एसआईआर सुनवाई पूरी की, कहा- यह ऐसी चीज नहीं जिससे आपको नुकसान होगा

कोलकाता (एजेंसी)। भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी मंगलवार को कोलकाता में चुनाव आयोग के दफ्तर से अपनी स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) सुनवाई पूरी करने के बाद कहा कि इस प्रक्रिया के दौरान कोई समस्या नहीं हुई। शमी ने नागरिकों से आगे आकर चल रही SIR प्रक्रिया में हिस्सा लेने का भी आग्रह किया और जोर देकर कहा कि इससे किसी को कोई नुकसान नहीं होगा।

शमी ने अपनी SIR सुनवाई के बाद पत्रकारों से कहा, 'कोई समस्या नहीं थी... स्ट्रक्र ऐसी चीज नहीं है जिससे आपको नुकसान होगा... जिनके पास SIR फॉर्म नहीं है, उन्हें भी आना चाहिए।' मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार शमी द्वारा भरे गए जनगणना

फॉर्म में कुछ जगहों पर गड़बड़ियां थीं, जिसके कारण उन्हें सुनवाई के लिए बुलाया गया था। उत्तर प्रदेश के रहने वाले शमी अपने क्रिकेट करियर के लिए पश्चिम बंगाल में रह रहे हैं। वह रणजी ट्रॉफी में बंगाल टीम का भी प्रतिनिधित्व करते हैं।

इस बीच तृणमूल कांग्रेस (TMC) ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले का स्वागत किया जिसमें भारत के चुनाव आयोग (ECI) को पश्चिम बंगाल में चल रहे स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) अभियान में 'लॉजिकल गड़बड़ियों' की श्रेणी में आने वाले मतदाताओं के नाम प्रदर्शित करने का निर्देश दिया गया था। CJI सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली तीन-न्यायाधीशों की पीठ ने पश्चिम बंगाल में स्ट्रक्र प्रक्रिया में प्रक्रियात्मक अवैधताओं का आरोप लगाने वाली विभिन्न याचिकाओं पर ECI को निर्देश जारी किए।

लेह में छठे खेलो इंडिया शीत खेलों की शुरूआत, आइस हॉकी सहित ये खेल भी होंगे शामिल

लेह । उपराज्यपाल कवींद्र गुप्ता ने अत्याधुनिक एनडीएस आइस हॉकी स्टेडियम पर छठे खेलो इंडिया शीतकालीन खेल 2026 की शुरूआत की मंगलवार को घोषणा की। खेल अगले सात दिन तक चलेंगे और 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस पर इनका समापन होगा। एक आधिकारिक प्रवक्ता ने बताया कि 19 प्रदेशों के 1060 प्रतिभागी इन खेलों में भाग लेंगे जिनमें खिलाड़ी, तकनीकी अधिकारी, सहयोगी स्टाफ और वालिंटियर के साथ भारतीय सेना और भारत तिब्बत सीमा पुलिस शामिल है। उन्होंने कहा कि आइस हॉकी और स्पीड स्केटिंग के अलावा पहली बार फिगर स्केटिंग की स्पर्धायें भी होंगी। उद्घाटन समारोह में गुप्ता ने कहा कि लगातार तीसरे साल खेलों की मेजबानी से लद्दाख की क्षमता, प्रतिबद्धता और चुनौतीपूर्ण उच्च पर्वतीय हालात में बड़े टूर्नामेंटों की मेजबानी की तैयारियों पर देश का भरोसा झलकता है। उन्होंने खेलों के विकास के लिये विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि एनडीएस आइस हॉकी रिंक, गुपुक तालाब और लद्दाख स्काउट्स रेजिमेंटल सेंटर रिंक खेलों के लिये पूरी तरह से तैयार है। उन्होंने कहा कि एनडीएस स्टेडियम पर 53.58 करोड़ रूपए की लागत से आइस हॉकी रिंक बड़ी उपलब्धि है और कारगिल में एक और आइस हॉकी रिंक तैयार हो रही है जिससे लद्दाख में शीतकालीन खेलों का बुनियादी ढांचा और मजबूत होगा।

सूर्यकुमार पहले टी20 में कर सकते हैं अपने 9000 रन पूरे

नागपुर । भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव बुधवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाले पहले टी20 मैच में 25 न बनाते ही अपने 9000 रन पूरे करे लेंगे। ये रन बनाते ही सूर्या 9000 रन बनाने वाले चौथे भारतीय बल्लेबाज बन जाएंगे। उनसे पहले विराट कोहली, रोहित शर्मा और शिखर धवन ने ही 9000 रन बनाये हैं। पिछले एक साल में सूर्यकुमार का टी20 में प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। वह अपनी शुरुआत को बड़ी पारी में नहीं बदल पाये। कप्तानी की जिम्मेदारी के कारण उनकी बल्लेबाज़ी पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। यूर्या ने अब तक 346 मैच में 8,975 रन बनाये हैं। उनका औसत 34.78 जबकि स्ट्राइक रेट 152 से अधिक है। उनके नाम 6 शतक और 59 अर्धशतक हैं। भारत के लिए टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड विराट के नाम है, जिन्होंने 414 मैचों में 13,543 रन बनाए हैं। वहीं दूसरे स्थान पर रोहित शर्मा हैं, जिनके खाते में 463 मैचों में 12,248 रन हैं। वहीं शिखर धवन के नाम 334 मैचों में 9,797 रन हैं और वह तीसरे नंबर पर हैं।

भारतीय टीम पहले टी20 में न्यूजीलैंड के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी

नागपुर (एजेंसी)। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारतीय टीम बुधवार को यहां पांच मैचों की टी20 सीरीज के पहले मैच में न्यूजीलैंड के खिलाफ जीत के साथ शुरुआत करने उतरेगी। भारतीय टीम का लक्ष्य इस सीरीज को जीतकर अगले माह होने वाली टी20 सीरीज के लिए लय हासिल करना रहेगा। भारतीय टीम का प्रदर्शन पिछले कुछ समय में टी20 में अच्छा रहा है पर सूर्यकुमार के बल्ले से रन नहीं निकले हैं। ऐसे में सूर्यकुमार का लक्ष्य इस सीरीज में अधिक से अधिक रन बनाकर टी20 विश्वकप के लिए फार्म हासिल करना रहेगा। सूर्यकुमार ने साल 2024 में टी20 टीम की कप्तानी संभाली थी जिसके बाद से ही भारतीय टीम को अधिकतर मुकाबलों में जीत मिली है।

पिछले दो साल में भारतीय टी20 टीम को कुछ मुकाबलों में ही हार का सामना करना पड़ा है। ऐसे में कीवी टीम के खिलाफ होने वाले इस मुकाबले में भी वह जीत की प्रबल दावेदार रहेगी। भारतीय टीम को हालांकि बल्लेबाजी तिलक वर्मा की कमी खेलेगी। तिलक सर्जरी के कारण इस इस मैच में नहीं खेलेंगी। उनकी जगह श्रेयस अय्यर को शामिल किया गया है। वहीं दूसरी ओर न्यूजीलैंड की टीम भी काफी अच्छी है। इससे पहले हुई एकदिवसीय सीरीज में जीत से उसका मनोबल बढ़ा हुआ है जिसका लाभ उसे मिलेगा हालांकि उसकी राह इतनी आसान नहीं है। भारतीय टीम ने पिछले 25 में से 18 मैच जीते हैं। टीम के पास अभिषेक शर्मा जैसे आक्रामक बल्लेबाज और वरुण चक्रवर्ती जैसा स्पिनर है। वहीं न्यूजीलैंड ने 2024 टी20 विश्व कप के बाद खेले गए 21 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में से केवल 13 में जीत हासिल की है। उसके पास आक्रामक सलामी बल्लेबाज डेवोन कॉनवे हैं। टीम के पास कप्तान मिचेल सैंटनर जैसा स्पिनर और जैकब डफी जैसा तेज गेंदबाज है। अच्छी फॉर्म में चल रहे डैरिल मिचेल और ग्लेन फिलिप्स के रहने से टीम काफी मजबूत हुई है। तेज गेंदबाज और ऑलराउंडर क्रिस्टियन क्लार्क इस मैच में रहेंगे। इसका कारण है कि माइकल ब्रैसवेल और एडम मिल्ने दोनो ही फिट नहीं हैं।

वहीं भारतीय टीम के पास ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या हैं। स्पिनर वरुण भारतीय टीम के मुख्य हथियार होंगे। वरुण के सातवें से 15वें ओवर के बीच के चार ओवर अक्सर मैच का रुख बदील देते हैं।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

भारत: सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), इशान किशन, श्रेयस अय्यर, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, रिंकू सिंह, अर्शदीप सिंह, रवि बिश्नोई, हर्षित राणा।

न्यूजीलैंड: मिचेल सैंटनर (कप्तान), डेवोन कॉनवे, बेवन जैकब्स, डैरिल मिचेल, ग्लेन फिलिप्स, टिम रॉबिन्सन, जिमी नीशम, ईश सोढ़ी, जैक फाउल्स, मार्क चैपमैन, माइकल ब्रैसवेल, रचिन रविंद्र, काइल जैमीसन, मैट हेनरी, जैकब डफी, क्रिस्टियन क्लार्क।

सिनर ने खिताबी हैट्रिक अभियान की सकारात्मक शुरुआत की, ऑस्ट्रेलियाई ओपन के दूसरे दौर में बनाई जगह

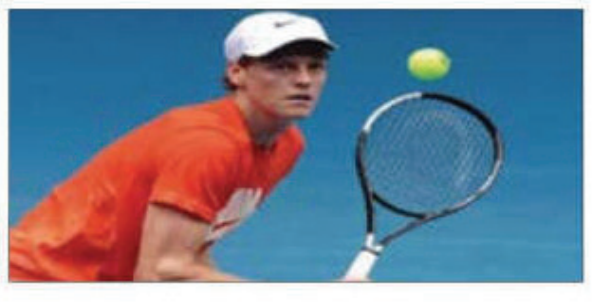

मेलबन। मौजूदा चैंपियन यानिक सिनर ने अपने खिताब बचाने के अभियान की सकारात्मक शुरुआत करते हुए मंगलवार को यहां ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के दूसरे दौर में जगह बनाई। सिनर ने रॉड लेवर एरिना पर सिर्फ तीन गेम गंवाए और एक घंटे से थोड़ा अधिक समय बिताकर खिताबी हैट्रिक पूरा करने के अपने अभियान की शुरुआत की। विश्व में दूसरे नंबर के खिलाड़ी सिनर जब 6-2, 6-1 से आगे चल रहे थे, तभी ह्यूगो गैस्टन ने अचानक एक अज्ञात चोट के कारण मैच से हटने का फैसला किया। सिनर ने कहा, 'मैंने देखा कि वह दूसरे सेट में बहुत तेज गति से सर्व नहीं कर रहा था लेकिन मैं इस तरह से मैच नहीं जीतना चाहता था।' सिनर वर्ष के पहले ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में लगातार तीन बार चैंपियन बनने वाले चौथे खिलाड़ी बनने की राह पर हैं।

ऋतिक के करियर का 2.0 फेज शुरू, एक्टिंग के साथ-साथ अब प्रोडक्शन पर भी लगा रहे बड़ा दांव

ऋतिक रोशन दो दशक से ज्यादा समय तक हिंदी सिनेमा में बतौर सुपरस्टार अपनी मजबूत बनाए हुए हैं। अब वह अपने करियर के अगले फेज की तैयारी में जुट गए हैं। 2026–27 के लिए तैयार उनका रोडमैप साफ संकेत देता है कि अभिनय के साथ–साथ अब उनका फोकस फिल्म निर्माण और कंटेंट आईपी पर भी है। अपनी प्रोडक्शन कंपनी के जरिए ऋतिक डिजिटल और फिल्म प्रोडक्शन स्पेस में भी निवेश कर रहे हैं, ताकि वह सिर्फ एक्टर नहीं, बल्कि कंटेंट ओनर के रूप में भी खुद को स्थापित कर सकें। स्टॉर्म बतौर निर्माता ऋतिक का डेब्यू प्रोजेक्ट है। अक्टूबर 2025 में स्ट्रीमिंग कंटेंट की आधिकारिक घोषणा के बाद इस थ्रिलर सीरीज की शूटिंग नवंबर में मुंबई में शुरू हुई थी और इसे फरवरी 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

इस सीरीज को टब्बर फेम अजीतपाल सिंह ने क्रिएट और डायरेक्ट किया है। बताया जाता है कि ऋतिक और अजीतपाल ने इस कहानी को लगभग तीन साल तक डेवलप किया है। यह सीरीज प्राइम वीडियो और HRX फिल्म्स के बीच हुई बड़ी प्लेटफॉर्म पार्टनरशिप का हिस्सा है। इसे ऋतिक के डिजिटल कदम की मजबूत शुरुआत माना जा रहा है।

एक्टिंग के लिए हाई–बजट प्रोजेक्ट चुन रहे ऋतिक

ऋतिक ने आने वाले दो वर्षों के लिए बेहद चुनिंदा हाई–बजट प्रोजेक्ट्स चुने हैं। वॉर 3 को लेकर भले ही अनाउंसमेंट नहीं हुई हो, लेकिन इसे 2027 की सबसे बड़ी फिल्मों में गिना जा रहा है। कृष 4 पर भी काम तेजी से जारी है।

बैलेंस पोर्टफोलियो की ओर करियर ले जा रहे सुपरस्टार

ट्रेड के मुताबिक, ऋतिक का यह ट्रांजिशन पूरी तरह प्लांड है। बदलते दौर में जहां सुपरस्टार्स के लिए सिर्फ बॉक्स ऑफिस नहीं, बल्कि डिजिटल राइट्स और आईपी ओनरशिप भी अहम हो गई है, वहीं ऋतिक अपने करियर को बैलेंस पोर्टफोलियो की ओर ले जा रहे हैं। एक तरफ वॉर 3 और कृष 4 जैसी मास अपील फिल्में, तो दूसरी तरफ स्टॉर्म जैसे कंटेंट–ड्रिवन प्रोजेक्ट्स। आने वाले समय में यही संतुलन तय करेगा कि ऋतिक बतौर निर्माता कितने प्रभावी होते हैं।

पहली फिल्म है तो किरदार नहीं, काम मिलना सबसे जरूरी होता है

पारुल गुलाटी ने कॉमेडियन और एक्टर कपिल शर्मा के साथ किस किस को प्यार करूं 2 से बॉलीवुड में डेब्यू किया है। अपने किरदार और शूटिंग के अनुभवों को लेकर पारुल ने बातचीत की।

इस फिल्म से आप कैसे जुड़ीं?

इस फिल्म से मैं अपनी एजेंसी के जरिए जुड़ी थी। वहीं मुझे पता चला कि एक ऐसा प्रोजेक्ट चल रहा है। उन्होंने कहा कि मुझे नैरेशन के लिए जाना होगा, तो हमारे डायरेक्टर अनुकल्प जी के साथ मेरा नैरेशन हुआ। कहानी सुनते समय हमारी हंसी रुकी ही नहीं। सबसे खास बात यह थी कि कपिल शर्मा इसमें है, यह जानकर बहुत खुशी हुई। साथ ही अब्बास मस्तान भी इस इस प्रोजेक्ट का हिस्सा हैं। कुल मिलाकर यह मेरे लिए एक परफेक्ट प्रोजेक्ट था, बिल्कुल वैसे जैसा मैं अपने पहले प्रोजेक्ट के बारे में सोचती थी।

कॉमेडी में टाइमिंग्स के लिए क्या किया?

इसके लिए मैंने कोई अलग तैयारी नहीं की थी। सच कहूं तो मैंने कपिल शर्मा शो भी नहीं देखा, क्योंकि मुझे लगा था कि शायद मुझे डर लगेगा।

सेट पर आपकी बॉन्डिंग कैसी थी?

कपिल काफी मजाक–मस्ती करते रहते हैं। जब भी वो सेट पर होते थे, मुझे लगता था कि वो मुझसे उम्र और अनुभव में बहुत बड़े हैं, इसलिए उनके साथ मैं ज्यादा हमस्ती नहीं की।

अच्छा किरदार ज्यादा मायने रखता है या बड़ा प्रोजेक्ट?

अगर यह पहली फिल्म है, तो सबसे अहम है कि आपको काम मिल रहा है। इस फिल्म में मुझे किरदार की अहमियत के बारे में ज्यादा सोचना नहीं पड़ा क्योंकि यह कॉमेडी फिल्म थी।

प्रलय में रणवीर संग बन सकती है आलिया की जोड़ी

साल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म धुरंधर देने के बाद रणवीर सिंह अब अपनी अगली बड़ी फिल्म प्रलय की तैयारी में जुटने वाले हैं। जानकारी के मुताबिक... मार्च 2026 में धुरंधर का दूसरा पार्ट रिलीज होगा और इसके बाद रणवीर प्रलय की शूटिंग शुरू करेंगे। हालांकि फिल्म को लेकर अभी ज्यादा ऑफिशियल जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन इसकी हीरोइन को लेकर चर्चा तेज हो गई है। प्रलय में रणवीर सिंह के साथ आलिया भट्ट नजर आ सकती हैं। इससे पहले दोनों ने फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में साथ काम किया था, जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया। बताया जा रहा है कि इस फिल्म का निर्देशन जय मेहता करेंगे और फीमेल लीड सूत्रों के मुताबिक फिल्म के लिए उनकी पहली पसंद आलिया हैं। म में आलिया का किरदार सिर्फ लव इंटरेस्ट तक सीमित नहीं होगा। उनका रोल कहानी का अहम हिस्सा होगा, जो एक टूटती हुई दुनिया में हीरो के विचारों को चुनौती देगा। डायरेक्टर का मानना है कि इस तरह के दमदार और एक्सपेरिमेंटल रोल के लिए आलिया से बेहतर कोई और नहीं हो सकता। यह भी कहा जा रहा है कि फिल्म के लिए बड़े स्तर पर सेट तैयार किए जाएंगे, जहां शहर को पुराना और वीरान दिखाने के लिए फिजिकल सेट्स के साथ एआई तकनीक का इस्तेमाल होगा।

चोट से उबरने के बाद ईथा पर फिर जुटीं श्रद्धा

साल 2026 श्रद्धा कपूर के करियर के लिए बेहद कपूर हम और व्यस्त रहने वाला है। श्रद्धा फिलहाल बायोपिक फिल्म ईथा के आखिरी शेड्यूल की शूटिंग में जुटी हैं, जिसमें वह मशहूर तमाशा और लावणी कलाकार विठाबाई नारायणगांवकर की भूमिका निभा रही हैं। फिल्म का निर्देशन लक्ष्मण उतेकर कर रहे हैं। मार्च 2026 के अंत तक शूटिंग पूरी होने की उम्मीद है। डांस सीक्वेंस के दौरान लगी चोट के कारण शूट कुछ समय के लिए रुका था लेकिन अब काम फिर रफ्तार पकड़ चुका है। यह फिल्म श्रद्धा के लिए खास है, क्योंकि इसमें उन्हें एक लोक कलाकार की जिंदगी, शारीरिक भाषा और संघर्ष को परदे पर उतारना है। ईथा के बाद श्रद्धा अप्रैल 2026 से अपनी बहुचर्चित फैंटेसी फिल्म नागिन की शूटिंग शुरू कर सकती हैं। लंबे समय से प्री–प्रोडक्शन और वीएफएक्स पर काम कर रही इस फिल्म में श्रद्धा इच्छाधारी नागिन के किरदार में नजर आएंगी। चर्चा है कि नागिन सिर्फ एक स्टैंडअलोन फिल्म नहीं, बल्कि एक बड़े फैंटेसी यूनिवर्स की शुरुआत हो सकती है। सोशल मीडिया पर यह थ्योरी भी चल रही है कि इस फिल्म का कनेक्शन श्रद्धा के सुपरहिट किरदार स्त्री से जोड़ा जा सकता है।

स्त्री 3 की स्क्रिप्ट पर तेजी हो रहा काम, श्रद्धा की हिट फेंचाइज स्त्री के तीसरे भाग को लेकर भी हलचल तेज है। स्त्री 2 की बड़ी सफलता के बाद मेकर्स अब स्त्री 3 की स्क्रिप्ट और कास्टिंग पर तेजी से काम कर रहे हैं। इंडस्ट्री सूत्रों के मुताबिक, इस बार श्रद्धा के किरदार की शक्तियों के स्रोत और उसकी असली पहचान का खुलासा हो सकता है। यह भी कयास लगाए जा रहे हैं कि नागिन और स्त्री के बीच किसी तरह का क्रॉसओवर देखने को मिल सकता है।

फिल्म द ग्रेट एस्केपः फरार में मनी हाइस्ट के प्रोफेसर जैसे होगा नवाज का रोल

नवाजुद्दीन सिद्दीकी की फिल्म द ग्रेट एस्केप: फरार अपने अनोखे कॉन्सेप्ट, ग्लोबल टीम और तकनीकी तैयारी के कारण चर्चा में है। कुशाग्र शर्मा निर्देशित यह एस्केप–थ्रिलर ताकत से ज्यादा दिमाग, विज्ञान और रणनीति पर आधारित है। फिल्म एक आम–से दिखने वाले फिजिक्स प्रोफेसर की कहानी है, जो अपनी समझदारी और साइंटिफिक प्रिंसिपल्स से अंतरराष्ट्रीय संकट से निकलने की कोशिश करता है। फिल्म में नवाजुद्दीन का किरदार निर्देशक ने मनी हाइस्ट के प्रोफेसर जैसी इंटेलिजेंट अप्रोच से जोड़ा है, हालांकि समानता सिर्फ रणनीति और प्लानिंग तक सीमित है। कहानी और ट्रीटमेंट पूरी तरह भारतीय संदर्भ में है। नवाजुद्दीन ने फिजिक्स प्रोफेसर का रोल निभाते हुए संवादों से आगे बढ़कर कई साइंटिफिक कॉन्सेप्ट्स समझे, सेट पर प्रयोग किए और किरदार को वास्तविक बनाने के लिए तकनीकी डिटेल्स पर खास मेहनत की। फिल्म की सबसे बड़ी खासियत इसका ग्लोबल एसोसिएशन है। हॉलीवुड एक्टर इलिया वोलोक फिल्म में मुख्य खलनायक हैं, जो मिशन इम्पॉसिबल, इंडियाना जोन्स और जेमिनी मैन जैसी बड़ी फिल्मों का हिस्सा रह चुके हैं। नवाजुद्दीन के साथ मलयालम स्टार निमिषा सजयन उनकी पत्नी का रोल निभा रही हैं। इसके अलावा यंगेस्ट नेशनल अवॉर्ड विनर त्रिशा भी इसका हिस्सा हैं। फिल्म का एक बड़ा हिस्सा थाईलैंड, बैंकॉक और पटाया में शूट किया गया। लोकेशंस सिर्फ ग्लैमर के लिए नहीं, बल्कि कहानी की जरूरत के मुताबिक चुनी गई। शूट स्टार्ट–टू–फिनिश शेड्यूल में पूरा किया गया ताकि कंटिन्यूटी बरकरार रहे। एक्शन के लिए बैंकॉक के मशहूर एक्शन डायरेक्टर केचा खम्फाकदी को जोड़ा गया है, जो अल्लू अर्जुन की पुष्पा और शाहरुख खान की जवान का भी हिस्सा रह चुके हैं।

हॉरर-कॉमेडी फिल्म होगी यामी की फिल्म नई नवेली

हिंदी सिनेमा में इन दिनों हॉरर-कॉमेडी जॉनर बॉक्स ऑफिस की सबसे मजबूत कड़ी बन चुका है। ऐसे में इस ट्रेंड से जुड़ने वालों की फेहरिस्त में यामी गौतम का नाम भी शामिल हो गया है। ओटीटी पर हाल ही में रिलीज हुई गंभीर कोर्टरूम ड्रामा फिल्म हक में दमदार परफॉर्मेंस के बाद यामी अब एक बिल्कुल अलग व हल्के-फुल्के अंदाज में आने की तैयारी कर रही हैं।

शूटिंग फरवरी से शुरू करने की तैयारी है सूत्रों के मुताबिक, यामी को निर्देशक–निर्माता आनंद एल राय के अगले प्रोडक्शन के लिए साइन किया गया है। यह फिल्म एक हॉरर–कॉमेडी होगी, जिसका टाइटल नई नवेली बताया जा रहा है। फिल्म की शूटिंग इसी साल फरवरी से शुरू होने की तैयारी में है। बताया जा रहा है कि नई नवेली, यामी और आनंद एल राय के प्रोडक्शन हाउस कलर येलो के बीच पहला कोलैबोरेशन होगा। फिल्म की कहानी भारतीय लोककथाओं और पौराणिक मान्यताओं से प्रेरित है। इसकी स्क्रिप्ट दिव्य निधि शर्मा ने लिखी है। शुरुआती चर्चाओं में इसे टू–हीरोइन फिल्म बताया जा रहा था, जिसमें यामी के साथ कृति सेनन का नाम सामने आया था। हालांकि, कृति अब इस प्रोजेक्ट का हिस्सा नहीं हैं और फिल्म की पूरी कमान यामी ही अपने कंधों पर संभालेंगी।

बड़े स्केल पर तैयार हो रहा प्रोजेक्ट

हक जैसी गंभीर फिल्म के बाद यामी एक ऐसी कहानी की तलाश में थी, जो मनोरंजन के साथ–साथ भावनात्मक असर भी छोड़े। नई नवेली में कॉमेडी के साथ रोमांच और इमोशन्स का संतुलित मेल देखने को मिलेगा। फिल्म का निर्देशन तमिल सिनेमा में अपनी अलग पहचान बना चुके बालाजी मोहन करेंगे, जो मारी (2015) जैसी हिट फिल्म दे चुके हैं। यह फिल्म उनके हिंदी सिनेमा में डेब्यू का भी मौका होगी। आनंद एल राय बतौर निर्माता भी सुर्खियों में हैं। उनके बैनर तले बनी फिल्म तू या मैं की शूटिंग पूरी हो चुकी है। बेजॉय नांबियार निर्देशित इस फिल्म में शनाया कपूर और आदर्श गौरव हैं। रोमांस, सर्वाइवल और थ्रिल के अनोखे मिश्रण वाली यह फिल्म वैलेंटाइन डे के मौके पर 13 फरवरी 2026 को रिलीज होगी। हाल ही में जारी मोशन पोस्टर और टीजर अनाउंसमेंट ने फिल्म को लेकर उत्सुकता और बढ़ा दी है। आनंद निर्मित यह फिल्म सीधे आज के युवाओं से जुड़ती है।

तेरे इश्क में... के बाद फिर धनुष के साथ एक फिल्म करेंगे आनंद

आनंद एल राय और धनुष की जोड़ी एक बार फिर चर्चा में है। जानकारी है कि दोनों एक भव्य पीरियड एक्शन रोमांटिक फिल्म पर मंथन कर रहे हैं, जिसे बड़े स्केल और हाई–विजुअल कैनवास पर बनाया जाएगा, हालांकि अभी कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। जबकि उनकी नखरेवाली भी कतार में है।

कोहरे के कारण दर्जनों ट्रेनें लेट, यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे ने जारी की सूची

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोहरे के कारण उत्तर भारत में करीब 99 ट्रेनें देरी से चल रही हैं। ज्यादातर ट्रेनें दिल्ली की ओर आ रही हैं। कई ट्रेनें छह से सात घंटे तक देरी से चल रही हैं। इनमें बरौनी नई दिल्ली, दरभंगा नई दिल्ली जैसी क्लोन ट्रेनें भी शामिल हैं। रेलवे ने देरी से चल रही ट्रेनों की सूची जारी की है। यात्री घर से निकलने से पहले सूची देखें और परेशानी से बचें। उत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी के मुताबिक कोहरे की वजह से ट्रेनें प्रभावित हो रही हैं। उत्तर भारत में कई जगह घना कोहरा छाया होने की वजह से विजीबिलिटी बहुत कम है। यात्रियों की सुरक्षा रेलवे की प्राथमिकता है। देरी से चलने वाली ट्रेनों में 22823 भुवनेश्वर-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस, 12301 हावड़ा-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस, 12313 सियालदाह-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस, 12259 सियालदाह-बीकानेर दूरंतो एक्सप्रेस, 12225 कैफियत एक्सप्रेस, 12309 राजेंद्रनगर टर्मिनल-नई दिल्ली तेजस राजधानी एक्सप्रेस, 54044 हिसार-जींद पैसेंजर, 12367 विक्रमशिला एक्सप्रेस (भागलपुर से आनंद विहार टर्मिनल तक), 64111 शकूरबस्ती-खुर्जा मेमू, 22437 प्रयागराज-आनंद विहार हमसफर एक्सप्रेस, 12393 संपर्क क्रांति एक्सप्रेस, 12559 शिव गंगा एक्सप्रेस, 12435 जयनगर-नई दिल्ली एक्सप्रेस, 15565 वैशाली एक्सप्रेस, 12581 मंडुआडीह-नई दिल्ली एक्सप्रेस, 64581 हाथरस किला-दिल्ली मेमू, 15705 दिल्ली-कटिहार अमृत भारत एक्सप्रेस, 12877 रांची-नई दिल्ली एक्सप्रेस, 02563 बरौनी-नई दिल्ली हमसफर स्पेशल, 12349 कोलकाता-भगत की कोठी सुपरफास्ट एक्सप्रेस, 22361 पटना-दुर्ग हमसफर एक्सप्रेस, 12419 गोमती एक्सप्रेस, 12429 लखनऊ-नई दिल्ली राजधानी, 12557 सत्याग्रह एक्सप्रेस, 64567 अलीगढ़-खुर्जा मेमू आदि शामिल हैं, जो कई जोनों जैसे एनसीआर जोन, नार्दन जोन, और ईस्टर्न जोन से चलती हैं और ज्यादातर सुपरफास्ट, राजधानी, हमसफर, दूरंतो या एक्सप्रेस कैटेगरी की हैं, जबकि कुछ मेमू और पैसेंजर ट्रेनें भी हैं।

बेंगलुरु में 25 वर्षों के बाद नगर निकाय चुनाव बैलट पेपर से

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु में 25 वर्षों के बाद नगर निकाय चुनाव बैलट पेपर से होने है। कर्नाटक राज्य चुनाव आयोग ने ग्रेटर बेंगलुरु अथॉरिटी (जीबीए) के तहत आने वाले 5 नई नगर निगमों के चुनावों के लिए ईवीएम की बजाय पारंपरिक बैलट पेपर से करने का निर्णय किया है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी जी.एस. संगरेशी ने बताया कि यह फैसला कानूनी रूप से वैध है और सुप्रीम कोर्ट के किसी भी आदेश का उल्लंघन नहीं करता। पिछली बार बेंगलुरु में बैलट पेपर का इस्तेमाल 2000 में हुआ था, उसके बाद ईवीएम का प्रयोग होता रहा। चुनाव 25 मई के बाद और 30 जून से पहले संपन्न कराए जाएंगे, ताकि 10वीं, 11वीं और 12वीं कक्षाओं की बोर्ड परीक्षाओं पर असर न पड़े। इस चुनाव में करीब 88.91 लाख मतदाता शामिल हो सकते है। राज्य चुनाव आयोग ने बताया कि इस साल के अंत में होने वाले जिला और तालुक पंचायत चुनाव भी बैलट पेपर से होगा। यह कदम पारदर्शिता बढ़ाने और मतदाताओं का विश्वास मजबूत करने के उद्देश्य से लिया गया है। मतगणना में देरी की चिंता नहीं है, क्योंकि पर्याप्त लॉजिस्टिक व्यवस्था, सीसीटीवी निगरानी और पुलिस बल की तैनाती की जाएगी। चुनाव एक ही दिन में संपन्न कर परिणाम घोषित करने की योजना है। जीबीए के तहत 5 नगर निगमों सेंट्रल, नॉर्थ, साउथ, ईस्ट और वेस्ट बेंगलुरु में कुल 369 वार्ड हैं। ड्राफ्ट मतदाता सूची 19 जनवरी को जारी की गई, आपत्तियां 20 जनवरी से 3 फरवरी तक दर्ज की जा सकती हैं और अंतिम सूची 16 मार्च को प्रकाशित होगी। यह निर्णय पिछले साल कर्नाटक कैबिनेट की सिफारिश के अनुरूप है और कांग्रेस सरकार ने लागू किया है। पार्टी ने पहले ईवीएम की विश्वसनीयता पर सवाल उठाए थे। बैलट पेपर वापसी से चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता बढ़ेगी और मतदाताओं का भरोसा मजबूत होगा।

कोकराझार में युवक की हत्या के बाद तनाव...भड़की हिंसा में अब तक दो लोगों की मौत

कोकराझार (एजेंसी)। पश्चिमी असम के कोकराझार जिले में युवक की हत्या के बाद हालात बेहद तनावपूर्ण हो गए हैं। घटना के बाद भड़की हिंसा में अब तक दो लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि जिले के कई हिस्सों में जनजीवन पूरी तरह ठप है। मृतकों की पहचान सुनील मुर्मू और सिखना ज्वह्लाओ बिस्मित के रूप में हुई है। जानकारी के मुताबिक, गौर नगर इलाके में एक सड़क हादसे के बाद दो समूहों के बीच विवाद हुआ, जो देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गया। आरोप है कि उग्र भीड़ ने सिखना ज्वह्लाओ बिस्मित की पीट-पीटकर हत्या कर दी। सिखना, लोकल ठेकेदार बरोंडा बसुमतारी के दामाद थे, जो क्षेत्र में सड़क निर्माण कार्य से जुड़े हैं। घटना के विरोध में भड़के प्रदर्शन के दौरान सुनील मुर्मू गंभीर रूप से घायल हो गए थे, जिनकी बाद में मौत हो गई। गुस्साए लोगों ने करीगांव इलाके में राष्ट्रीय राजमार्ग पर जाम लगा दिया, जिससे यातायात पूरी तरह ठप हो गया। हिंसा के दौरान प्रदर्शनकारियों पर दो अस्थायी बिरसा कमांडो फोर्स कैंपों को आग के हवाले करने का आरोप है। इसके अलावा सिदु कान्हू भवन में तोड़फोड़ की गई और कई दुकानों को भी आग लगा दी गई। मौके पर एक स्कॉर्पियो को जला दिया गया। स्थिति को देखकर भारी संख्या में पुलिस बल और सुरक्षाकर्मी संवेदनशील इलाकों में तैनात किए गए हैं। वरिष्ठ अधिकारी हालात पर नजर बनाए हुए हैं। पुलिस ने अब तक हत्या और हिंसा के मामलों में 29 लोगों को हिरासत लेकर जांच जारी है।

राजस्थान में वेस्टर्न डिस्टर्बेंस आने का अलर्ट, यूपी में कोहरा और औली में पारा माइनस 8 डिग्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के उत्तरी इलाकों में मंगलवार को भी मौसम में ज्यादा बदलाव नहीं हुआ है। राजस्थान में वेस्टर्न डिस्टर्बेंस (पश्चिमी विक्षोभ) के आने का अलर्ट जारी किया गया है। यहां 5 दिन बाद आंधी-बारिश की चेतावनी जारी की गई है। फिलहाल कई जिले कोहरे की चपेट में हैं, जिसके कारण विजिबिलिटी 50 मीटर तक रह गई है। वहीं, उत्तर प्रदेश के 10 शहरों में मंगलवार को भी कोहरा छाया है। आगरा में ताज महल धुंध में छिप गया है। अगले 5 दिन तक बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। लखनऊ, बाराबंकी, हाथरस सहित 5 शहरों में बारिश हुई, जबकि अलीगढ़ और लखीमपुर खीरी में एक दिन पहले ओले भी गिरे। उत्तराखंड के पिथौरागढ़, चमौली, उत्तरकाशी और रुद्रप्रयाग जिलों के ऊंचाई वाले इलाकों में नदी-नाले और झरने जम चुके हैं। औली में पारा माइनस 8 डिग्री तक पहुंच गया है, जिसके कारण पानी जमने लगा है। मौसम यह पूरा बदलाव पश्चिमी विक्षोभ के आने से पहले ही होने लगा है। दरअसल, यह पश्चिम से आने वाली हवा और बादलों का एक सिस्टम है। जैसे ही यह सक्रिय होगा, पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी, मैदानी क्षेत्रों में बारिश होगी।

स्वदेशी मेले में कवि सम्मेलन: राष्ट्रभक्ति की कविताओं से गूंजा सूरजगढ़, शहीदों को किया गया भावभीना नमन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.सूरजगढ़।

कस्बे में स्वदेशी जागरण मंच के तत्वावधान में आयोजित 10 दिवसीय भव्य स्वदेशी मेले के अंतर्गत सोमवार की सायं राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। 16 जनवरी से 26 जनवरी तक चल रहे इस मेले में 'शहीदों को समर्पित एक शाम' के तहत राष्ट्रीय कवि सम्मेलन आयोजित हुआ, जिसमें देश के नामचीन कवियों ने अपनी ओजस्वी रचनाओं से जनमानस में देशप्रेम की अलख जगा दी। कवि सम्मेलन में विनीत चौहान, अरुण जेमिनी, हरीश हिंदुस्तानी, संजीव सजल, दिग्विजय सिंह एवं पूनम वर्मा जैसे ख्यातिप्राप्त रचनाकारों ने वीर रस और समसामयिक विषयों पर आधारित कविताएं प्रस्तुत कीं। कवियों की सशक्त वाणी और भावपूर्ण प्रस्तुति ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कविताओं के माध्यम से जहां एक ओर शहीदों के बलिदान को नमन किया गया, वहीं दूसरी ओर राष्ट्र के प्रति कर्तव्यों और स्वदेशी के महत्व का संदेश भी दिया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच, कार्यक्रम की अध्यक्षा नगरपालिका सूरजगढ़ की चेयरमैन पुष्पा सेवा राम गुप्ता एवं विशिष्ट

अतिथि राजवी द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ शुभारंभ किया गया। इसके पश्चात आयोजन समिति की ओर से सभी

अतिथियों का पारंपरिक स्वागत एवं सम्मान किया गया। इस अवसर पर स्वदेशी जागरण मंच के पदाधिकारियों ने बताया कि स्वदेशी मेले का मुख्य उद्देश्य आमजन, विशेषकर युवाओं को स्वदेशी उत्पादों के उपयोग के प्रति जागरूक करना और भारतीय संस्कृति से जोड़ना है। मेले में प्रतिदिन विभिन्न सांस्कृतिक, साहित्यिक एवं रचनात्मक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जो 26 जनवरी तक जारी रहेंगे। राष्ट्रभक्ति से सराबोर इस कवि सम्मेलन ने स्वदेशी मेले को नई ऊर्जा प्रदान की और उपस्थित जनसमूह में देशप्रेम, स्वाभिमान व सांस्कृतिक चेतना का संचार किया।

रियासत को तोड़ने वाले बहुत से लोग हैं, वे कभी कामयाब नहीं होंगे

-नए जिले बनाने की मांग पर महबूबा को फारूक अब्दुल्ला ने दिया जवाब

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर की नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने पूर्व सीएम महबूबा मुफ्ती की जम्मू संभाग में नए जिले बनाने की मांग पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि रियासत को तोड़ने वाले बहुत से लोग हैं, लेकिन वे कभी कामयाब नहीं होंगे। कोई नया जिला नहीं बनाया जाएगा। फारूक अब्दुल्ला ने मंगलवार को ब्लॉक अध्यक्षों के सम्मेलन में कहा कि हम लोग अपने ब्लॉक अध्यक्ष और ब्लॉक सचिवों को सुन रहे हैं। उनकी तकलीफों को सुन रहे हैं और उन्हें किस प्रकार मजबूत किया जाए, इस पर विचार कर रहे हैं।

महबूबा मुफ्ती के नए जिलों की मांग पर उन्होंने कहा कि कोई जिला नहीं बनना चाहिए। पहले से ही बहुत जिले हैं। इन्हें कोई संभाल सके वही बड़ी बात है। इसी बीच फारूक अब्दुल्ला ने पूछा कि वह भी सीएम रहीं हैं और उनके पिता भी सीएम थे, तब उन्होंने क्या किया? उन्होंने कहा कि उंगली उठाना आसान होता है, लेकिन देखना चाहिए कि तीन उंगलियां आपकी तरफ भी इशारा करती हैं। फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि डिक्सन प्लान बहुत पुराना था कि डिवाइड करो। चिनाब नदी के उस पार ग्रेटर कश्मीर है, और इसे अलग करो। हिमाचल के परमार साहब थे, जिन्होंने चंबा और कांगड़ा के लोगों से कहा कि आपकी जुबान हिमाचली है, वरना तो बहुत बड़े-बड़े ख्याल थे। रियासत को तोड़ने वाले बहुत से लोग हैं, लेकिन वे कभी कामयाब नहीं होंगे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक फारूक अब्दुल्ला ने श्रीनगर के पूर्व मेयर जुनैद अजीम मट्टू को नासमझ बताते हुए कहा कि हमने कभी ऐसा सोचा नहीं है। हम तो लद्दाख को भी अलग नहीं करना चाहते थे। उससे लद्दाखियों को क्या फायदा मिला? आज तो लद्दाखी भी कहते हैं कि हमें वापस रियासत के साथ जोड़ दो। हमें यूनियन टेरिटरी नहीं चाहिए। उम्मीद है कि एक दिन फिर से लद्दाख वापस आ जाएगा।

बंगाल में फतह के लिए बीजेपी ने अपने अनुभवी वरिष्ठ नेताओं को जमीन पर उतारा

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव सुनील बंसल को रिपोर्ट करने का आदेश

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों से पहले भाजपा अपनी व्यवस्था को मजबूत करने में जुटी है और इसके लिए बीजेपी ने अन्य राज्यों के कई अनुभवी नेताओं को चुनाव की तैयारियों में लगा दिया है। पिछले एक महीने में भाजपा ने अन्य राज्यों के कई अनुभवी वरिष्ठ नेताओं (प्रवासी सदस्य) को बंगाल इकाई में मंडल से लेकर जिला स्तर तक आंतरिक मतभेदों को सुलझाने और चुनाव की तैयारियों का प्रबंधन का काम दिया गया है। इन प्रवासी सदस्यों में उत्तर प्रदेश के मंत्री जेपी एस राठौर, उत्तराखंड के मंत्री धन सिंह रावत, राजस्थान भाजपा किसान मोर्चा के अध्यक्ष कैलाश चौधरी, उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री सुरेश राणा, हरियाणा भाजपा के महासचिव संजय भाटिया और कर्नाटक के पूर्व मंत्री सी टी रवि शामिल हैं। चूंकि ये नेता मुख्य रूप से हिंदी बोलते हैं, इसलिए उनके साथ स्थानीय नेता भी होते हैं जो जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं और लोगों से बातचीत के दौरान मदद करते हैं। बंगाल में तैनाती के बाद से, इन नेताओं ने मंडल, विधानसभा और

जिला इकाइयों में पार्टी पदाधिकारियों के साथ बैठकें की हैं।

राठौर, जिन्हें 2017 और 2022 के यूपी विधानसभा चुनावों और 2019 के लोकसभा चुनावों के प्रबंधन का अनुभव है, को बंगाल की 35 विधानसभा सीटों की जबावदेही दी गई हैं। उनके अधीन पूर्वी मेदिनीपुर जिले के कोंटाई और तामलुक तथा पश्चिमी मेदिनीपुर जिले के घाटाल और मेदिनीपुर शहर आते हैं। वहीं राणा उत्तर 24 परगना जिले के बैरकपुर, बारासात और बोंगाँव का काम देख रहे हैं। राणा पश्चिमी यूपी के शामली जिले से हैं और उन्होंने हरियाणा, दिल्ली, त्रिपुरा और मध्य प्रदेश में पार्टी के चुनावी प्रयासों का नेतृत्व किया है। उनके पास 28 विधानसभा क्षेत्रों की जिम्मेदारी है और हाल ही में उन्होंने संदेशखाली का दौरा किया, जहां 2024 में स्थानीय टीएमसी नेताओं पर यौन उत्पीड़न के आरोपों के बाद एक बड़ा राजनीतिक विवाद हुआ था। वहीं भाटिया को आरामबाग उपमंडल और श्रीरामपुर सहित हुगली जिला और हावड़ा शहर सौंपा गया है, जबकि चौधरी को कूच बिहार, जलपाईगुड़ी, सिलीगुड़ी और उत्तरी बंगाल के अन्य जिलों में पार्टी की तैयारियों की निगरानी का जिम्मा मिला है। ये सभी नेता राज्य के प्रभारी भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव सुनील बंसल को रिपोर्ट करते हैं।

अपने-अपने राज्यों के अनुभव के आधार पर हम राजनीतिक और संगठनात्मक प्रबंधन की देखरेख कर रहे हैं। हम संगठनात्मक अभियानों और कार्यक्रमों का भी ध्यान रख रहे हैं और उन मतदान केंद्रों में अपनी पहुंच बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं जहां हमारी पकड़ कमजोर दिख रही है। हालांकि, हमारा मुख्य ध्यान लोकल पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच मतभेदों को सुलझाने पर ज्यादा है। महीने की शुरुआत में पार्टी के राज्य स्तरीय नेताओं के साथ हुई बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने विधानसभा चुनावों से पहले सभी मतभेदों को भुलाने का निर्देश दिया था। भाजपा के अंदरूनी सूत्रों ने इस बैठक को राज्य स्तर पर पार्टी के पुराने और नए नेतृत्व के बीच की खाई को पाटने का प्रयास बताया। हालांकि, टीएमसी ने पिछली बार भाजपा को बाहरी लोगों की पार्टी के रूप में पेश करने में सफलता हासिल की थी और इस बार भी वही कहानी दोहरा रही है, इसके बाद भाजपा इसका क्या जवाब देती है, यह देखना बाकी है।

जब ज्योतिषपीठ के अधिकृत नहीं तो कैसे कर रहे 'शंकराचार्य' शब्द का प्रयोग

-धरने पर बैठे स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को भेजा नोटिस, 24 घंटे में मांगा जवाब

प्रयागराज (एजेंसी)। प्रयागराज संगम में मौनी अमावस्या पर स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को रोकने और शिष्यों के साथ मारपीट करने का विवाद बढ़ा ही जा रहा है। संगम में स्नान से इनकार करने और धरने पर बैठे स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को प्रयागराज मेला प्राधिकरण ने नोटिस भेजा है। नोटिस में सुप्रीम कोर्ट के एक आदेश का हवाला देते हुए पूछा कि संबंधित व्यक्ति ज्योतिषपीठ के अधिकृत शंकराचार्य नहीं हैं, ऐसे में वे अपने नाम के साथ 'शंकराचार्य' शब्द का प्रयोग किस आधार पर कर रहे हैं? नोटिस में मेला प्रशासन ने 24 घंटे में लिखित जवाब मांगा है। इसमें यह स्पष्ट करने को कहा गया है कि वे किस वैधानिक या धार्मिक आधार पर स्वयं को शंकराचार्य कहते हैं। साथ ही यह भी चेतावनी दी गई है कि संतोषजनक जवाब न मिलने की स्थिति में नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पत्र में सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन ब्रह्मलीन ज्योतिष पीठ के

शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती और स्वामी वासुदेवानंद सरस्वती के लंबित मुकदमे का जिक्र किया गया है। नोटिस प्रयागराज मेला प्राधिकरण के उपाध्यक्ष की ओर से जारी किया गया है। सूत्रों के मुताबिक मेला क्षेत्र में आयोजित हो रहे धार्मिक कार्यक्रमों और शिविरों को लेकर प्रशासन पहले से ही सतर्क है। सुरक्षा, कानून-व्यवस्था और भीड़ नियंत्रण को ध्यान में रखते हुए सभी धार्मिक आयोजनों के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश तय किए गए हैं। किसी भी पद, उपाधि या पहचान का गलत इस्तेमाल प्रशासन के लिए गंभीर विषय माना जा रहा है।

नोटिस के बाद संत के समर्थकों में नाराजगी है। उनका कहना है कि शंकराचार्य एक परंपरागत धार्मिक पद है और इस पर प्रशासनिक हस्तक्षेप उचित नहीं। समर्थकों का आरोप है कि मेला प्रशासन धार्मिक भावनाओं को आहत कर रहा है। वहीं, कुछ लोगों का यह भी कहना है कि कोर्ट के आदेशों का पालन सभी के लिए अनिवार्य है, चाहे वह धार्मिक व्यक्ति ही क्यों न हो। सुप्रीम कोर्ट के प्रार्थना पत्र के उपरोक्त खंड को पूर्णतया स्वीकार करते हुए 14 अक्टूबर 2022 को आदेश दिया गया था। नोटिस में कहा गया है कि इस अपील संख्या की ताजा स्थिति के रूप में कोई अन्य आदेश पारित नहीं हुआ है। ये मामला सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है। जब तक सुप्रीम कोर्ट की ओर से अपील का निस्तारण नहीं कर दिया जाता या कोई अग्रिम आदेश प?ट्टाभिषेक के मामले में पारित नहीं होता, तब तक कोई भी धर्माचार्य ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य के तौर पर सुशोभित नहीं हो सकता है।

मुंबई मेयर के लिए जादुई आंकड़े 114 से महज 6 कदम दूर हैं हम

-बीएमसी के सिंहासन पर कब्जा करने शिवसेना (यूबीटी) सांसद ने फोड़ा बम

मुंबई (एजेंसी)। देश की सबसे अमीर मुंबई महानगरपालिका बीएमसी के सिंहासन पर कब्जा करने के लिए खेल अब तीखा और पेंचीदा हो गया है। शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने एक ऐसा बम फोड़ा है, जिसने महायुति के खेमे में खलबली मचा दी है। राउत ने दावा किया कि वे बहुमत के जादुई आंकड़े 114 से महज 6 कदम दूर हैं, लेकिन बड़ा सवाल यह है कि आखिर ये 6 कदम कहां से पूरे होंगे?

संजय राउत जब कहते हैं कि उनके पास 108 का आंकड़ा है जिसमें उद्धव गुट (65), कांग्रेस (24), शरद पवार की एनसीपी और अन्य छोटे दलों को मिलाकर भी यह आंकड़ा 108 तक नहीं पहुंचता। ऐसे में कयास लगाए जा रहे हैं कि क्या असदुद्दीन ओवैसी की एआईएमआईएम भी पर्दे के पीछे से

उद्धव ठाकरे को समर्थन देने को तैयार है? सियासी गलियारों में चर्चा है कि क्या बीजेपी को रोकने के लिए उद्धव अब ओवैसी के साथ जाने का जोखिम उठाएंगे?

अगर 108 के आंकड़े में मुस्लिम बहुल सीटों वाले पार्षद शामिल होते हैं, तो इसका मतलब साफ है, बीजेपी को सत्ता से बाहर रखने के लिए विपक्षी गठबंधन किसी भी हद तक जाने को तैयार है। राउत ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर बड़ा प्रहार करते हुए कहा कि शिंदे अपने ही पार्षदों से डरे हुए हैं। राउत के मुताबिक शिंदे सेना के पार्षदों को बांद्रा और कल्याण-डोंबिवली के तीन अलग-अलग होटलों में नजरबंद किया गया है। राउत का दावा है कि जो शिंदे कल तक ईडी के डर से उद्धव का साथ छोड़ गए थे, आज उन्हें डर है कि उनके पार्षद पाला बदल लेंगे। राउत ने कहा कि हमारे (यूबीटी) पार्षद खुलेआम घूम रहे हैं, घरों पर मजे कर रहे हैं, हमें किसी का डर नहीं।

रिपोर्ट के मुताबिक बीएमसी चुनाव के बाद भले ही महायुति सबसे मजबूत दिख रही हो, लेकिन अंदरूनी कलह चरम पर है। बीजेपी किसी भी कीमत पर अपना मेयर चाहती है। सूत्र बताते हैं कि वे ढाई-ढाई साल के फॉर्मूले पर भी राजी नहीं हैं और साफ कह चुकी है 30 जनवरी को बीएमसी में बीजेपी का मेयर बनेगा। एकनाथ शिंदे अपने 29 पार्षदों के दम पर ढाई साल का मेयर पद या सबसे पावरफुल स्टैंडिंग कमेटी का अध्यक्ष पद मांग रहे हैं।

इस साल गणतंत्र दिवस परेड में भारत में बने हथियार होंगे आकर्षण का केंद्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस साल गणतंत्र दिवस परेड में सेना की नवगठित 'भैरव' लाइट कमांडो बटालियन, 'शक्तिबाण' तोपखाना रेजिमेंट और लद्दाख स्काउट्स माउंटेन इन्फैंट्री रेजिमेंट प्रमुख आकर्षण होंगे। यही नहीं, वायुसेना के फ्रांसीसी मूल के दसॉ राफेल और स्वदेशी रूप से निर्मित रूसी मूल के सुखोई एसयू-30एमकेआई लड़ाकू विमान भी उड़ान भरेंगे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रक्षा मंत्रालय ने यह जानकारी दी और कहा कि इनमें कई उपकरण और रेजिमेंट को पहली बार युद्ध की तैयारी जैसी संचालन के रूप में प्रदर्शित किया जाएगा। इस साल के गणतंत्र दिवस की थीम 'वंदे मातरम के 150 वर्ष' है। परेड में 30 झांकियां प्रदर्शित की जाएंगी, जिनमें से छह राष्ट्रीय गीत को समर्पित होंगी। मई 2025 में ऑपरेशन सिंदूर के बाद सैन्य मामलों में बढ़ी आम जानता की रुचि को देखते हुए रक्षा सचिव ने कहा कि इन उपकरणों और बटालियनों के प्रदर्शन का उद्देश्य देश को सशस्त्र बलों की परिचालन व्यवस्था को दिखाना है।

उन्होंने कहा कि विचार है कि युद्ध में उपकरणों और जनशक्ति को एक साथ कैसे लाया जाता है, इसकी एक कहानी सबके सामने लाना है। उन्होंने कहा कि इससे गणतंत्र दिवस समारोह और इसकी यह परेड आम लोगों के लिए अधिक आकर्षक और जानकारीपरक हो जाएगी। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि गणतंत्र दिवस समारोह में भाग लेने वाले कुछ कर्मी इस तरह प्रदर्शन करेंगे मानो वे पूरी तरह युद्ध के लिए तैयार हों। आत्मनिर्भरता के विषय को ध्यान में रखते हुए स्वदेशी और मेड-इन-इंडिया सिस्टम से जुड़ी उपलब्धियां भी परेड में प्रमुखता से प्रदर्शित की जाएंगी। इनमें हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड का लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर और एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टर, इंडो-रूसी ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल और आकाश एयर डिफेंस सिस्टम शामिल हैं, जिनका ऑपरेशन सिंदूर के दौरान इस्तेमाल किया गया था।

रक्षा सचिव ने कहा कि परेड में दिखाई जाने वाली युद्धक सामग्री, उपकरण, प्रणाली का बड़ा हिस्सा या तो भारत में बना है या यहां डिजाइन किया गया है। उन्होंने कहा कि उल्लेखनीय रूप से एयरबस सी295 परिवहन विमान, जो अब टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड द्वारा भारत में बनाए जाते हैं, अमेरिकी मूल के एएच-64 अपाचे हेलीकॉप्टर और सी-130जे सुपर हर्क्यूलिस परिवहन विमान भी देश को इस परेड में देखने को मिलेंगे। इस बार स्वदेशी तेजस लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट परेड में भाग नहीं लेगा। सूत्रों ने संकेत दिया कि वीआईपी की उपस्थिति को देखते हुए एकल-इंजन विमान को ऐसे आयोजनों के लिए आदर्श नहीं माना जाता। परेड का एक और आकर्षण होगा देश का ड्रोन तंत्र। इन ड्रोन को उड़ाया नहीं जाएगा, ये केवल प्रदर्शन के लिए रखे जाएंगे। इसका कारण भी सूत्रों ने परेड स्थल पर बड़ी संख्या में गणमान्य लोगों की उपस्थिति बताया है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित,
मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com